मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 7 अंक 164
रविवार, 29 दिसम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार पर सियासत, राहुल ने मोदी सरकार पर लगाया अपमान का आरोप

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार उनके स्मारक के लिए निर्दिष्ट स्थान के बजाय निगम बोध घाट पर करके उनका अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सिंह देश के सर्वोच्च सम्मान और एक स्मारक के पात्र हैं। राहुल ने एक्स पर लिखा कि भारत माता के महान सपूत और सिख समुदाय के पहले प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी का अंतिम संस्कार आज निगमबोध घाट पर करवाकर वर्तमान सरकार द्वारा उनका सरासर अपमान किया गया है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि एक दशक के लिए वह भारत के प्रधानमंत्री रहे, उनके दौर में देश आर्थिक महाशक्ति बना और उनकी नीतियां आज भी देश के गरीब और पिछड़े वर्गों का सहारा हैं। उन्होंने आगे लिखा कि आज तक सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों की गरिमा का आदर करते हुए उनके अंतिम संस्कार अधिकृत समाधि स्थलों में किए गए ताकि हर व्यक्ति बिना किसी असुविधा के अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि दे पाए। राहुल ने साफ तौर पर कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह हमारे सर्वोच्च सम्मान और समाधि स्थल के हकदार हैं। सरकार को देश के इस महान पुत्र और उनकी गौरवशाली कौम के प्रति आदर दिखाना चाहिए था।

राहुल के आरोपों पर भाजपा ने अब पलटवार किया है। बीजेपी सांसद संबित पात्रा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को धन्यवाद, यह भारत की राजनीति में एक नया निचला स्तर है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के कारण - हम यहां उस दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस करने आए हैं जब पूर्व प्रधान मंत्री का अंतिम संस्कार किया गया था। उन्होंने कहा कि बीजेपी का मानना है कि मृत्यु में गरिमा होनी चाहिए। कांग्रेस जिस तरह की राजनीति कर रही है, खासकर राहुल गांधी - जिन्होंने दाह संस्कार के बारे में ट्वीट किया है, वह शर्मनाक है।

पात्रा ने कहा कि हमने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के बाद एक कैबिनेट बैठक में निर्णय लिया कि चूंकि वह प्रधानमंत्री थे और उनका कद बड़ा था, इसलिए कैबिनेट ने कांग्रेस और डॉ. सिंह के परिवार को एक पत्र लिखा, जिसमें कैबिनेट ने कहा कि हमें उनके नाम पर एक स्मारक बनाना चाहिए ताकि देश और दुनिया उन्हें उनके सकारात्मक कार्यों के लिए याद रखे। उन्होंने कहा कि स्मारक बनाने की एक प्रक्रिया होती है लेकिन दाह संस्कार एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके लिए इंतजार नहीं किया जा सकता।

सेना और सीआरपीएफ के शहीद जवानों के परिवारों को सीएम सैनी ने दी बड़ी राहत, अनुग्रह राशि में की बढ़ोत्तरी

हरियाणा, 28 दिसम्बर। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए भारतीय सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के शहीद सैनिकों के परिवारों को बड़ी वित्तीय राहत देने की पेशकश की है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि इन शहीद नायकों के परिवारों के लिए अनुग्रह राशि 50 लाख रुपये से बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये की जाएगी। यह निर्णय राष्ट्र की सेवा में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले सैनिकों के शोक संतप्त परिवारों के लिए वित्तीय राहत के लिए अनुग्रह राशि में वृद्धि के लिए लगातार संकेत देने के बाद आया है। वास्तविक राहत राशि में वृद्धि से इन परिवारों को उनके कठिन समय के दौरान अमूल्य

वित्तीय सहायता मिलने की संभावना है। अनुग्रह भुगतान वह धनराशि है जो सरकारें किसी अप्रत्याशित हानि या दुखद मृत्यु की स्थिति में मृत व्यक्ति के परिवार को भुगतान करती हैं। ये धनराशि बिना किसी रिटर्न की उम्मीद के हस्तांतरित की जाती है और इसका उद्देश्य केवल परिवार के सदस्यों को उनके तत्काल वित्त को पूरा करने में मदद करना है क्योंकि वे नुकसान को समझते हैं और उससे उबरते हैं। अनुग्रह वृद्धि की घोषणा के अलावा, मुख्यमंत्री ने 1957 के हिंदी आंदोलन के स्वतंत्रता सेनानियों के लिए मासिक पेंशन में भी वृद्धि की घोषणा की है। मासिक पेंशन, जो पहले 15,000 रुपये थी, अब बढ़ाकर 20,000 रुपये कर दी गई है, ताकि उन लोगों को बेहतर वित्तीय सहायता मिल सके जिन्होंने हिंदी को राष्ट्रीय भाषा के रूप में बढ़ावा देने के लिए लड़ाई लड़ी। हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान एक गमगीन क्षण में मुख्यमंत्री सैनी सहित अन्य सदस्यों ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला के निधन पर शोक व्यक्त किया। मंत्रिमंडल ने एक क्षण का मौन रखा और दिवंगत आत्माओं के लिए प्रार्थना की।

नीतीश को उनके करीबी सहयोगियों ने बंधक बनाया, सहयोगी फैसले ले रहे : तेजस्वी

पटना, 28 दिसम्बर। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को दावा किया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब सामान्य रूप से काम करने में सक्षम नहीं हैं और मुट्ठी भर करीबी सहयोगियों ने उन्हें बंधक बनाकर रखा है।

जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) प्रमुख की भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में अचानक वापसी से पहले तक कुमार के उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्यरत रहे तेजस्वी ने संवाददाताओं के सवालों के जवाब में यह टिप्पणी की। उनसे 70-वर्षीय नेता द्वारा एक और पलटवार की अटकलों के बारे में पूछा गया था। उन्होंने कहा, इन सभी अफवाहों में कोई दम नहीं है। नीतीश कुमार अब अपने होश में नहीं हैं। वह बिहार चलाने में असमर्थ हैं। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने दावा किया, कुमार खुद निर्णय नहीं ले रहे हैं। उन्हें उनकी पार्टी के चार नेताओं ने बंधक बना लिया है, जिनमें से दो दिल्ली में और शेष यहां के हैं, जो फैसले ले रहे हैं। इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक राजद के नेता ने अपनी बात की पुष्टि के लिए हाल ही में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल द्वारा लिखे गए एक पत्र के जवाब का हवाला दिया। केजरीवाल ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाबासाहेब आंबेडकर के कथित अपमान की पृष्ठभूमि में पत्र में कुमार से भाजपा का समर्थन करने पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया था।

यादव ने कहा, पत्र स्पष्ट रूप से बिहार के मुख्यमंत्री एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नीतीश कुमार को संबोधित था, लेकिन प्रतिक्रिया संजय झा की ओर से आई। वह कौन हैं?

जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य झा ने जवाबी पत्र में शाह का बचाव किया और कोविड महामारी के दौरान दिल्ली में बिहार के प्रवासियों को मुहैया कराए गए इलाज को लेकर गुस्सा निकालते हुए केजरीवाल की आलोचना की।

असम पुलिस ने नगांव में जब्त की 3.5 करोड़ रुपये की ड्रग्स, एक गिरफ्तार

असम, 28 दिसम्बर। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण सफलता में असम पुलिस ने नागांव जिले में 3.5 करोड़ रुपये मूल्य की 532 ग्राम से अधिक हेरोइन जब्त की है। एक पकड़े गए व्यक्ति की खुफिया जानकारी के आधार पर एक वाहन को रोकने के बाद यह जब्ती की गई। मामले में कार चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह ऑपरेशन शुक्रवार रात को हुआ, जिसे नागांव पुलिस ने एक गुप्त सूचना के बाद अंजाम दिया। वाहन की गहन तलाशी के दौरान, कानून प्रवर्तन अधिकारियों को कार के भीतर गुप्त कक्षों में छिपाई गई हेरोइन मिली। ड्रग्स, जिनकी अनुमानित सड़क कीमत 3.5 करोड़ रुपये है, को सावधानी से छिपाया गया

था, लेकिन पुलिस की सतर्कता के कारण उन्हें बरामद करने में सफलता मिली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कार्रवाई में पुलिस के प्रयासों की सराहना की। एक्स पर उन्होंने पोस्ट किया कि एक पकड़े गए व्यक्ति से मिले इनपुट के आधार पर पुलिस ने एक वाहन को रोका और गहन तलाशी लेने पर 532.46 ग्राम हेरोइन बरामद की। जब्त की गई ड्रग्स की कीमत 3.5 करोड़ रुपये है और इसे गुप्त कक्षों में छिपाया गया था।

कांग्रेस को अपना इतिहास याद रखना जरूरीः जेपी नड्डा

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर। राहुल गांधी ने निगमबोध घाट पर मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार करने के लिए केंद्र सरकार पर हमला किया और कहा कि पूर्व वित्त मंत्री सर्वोच्च सम्मान और स्मारक के पात्र हैं। वहीं, भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि यह सचमुच बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और वर्तमान अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के दुखद निधन पर भी राजनीति करने से बाज नहीं आ रहे हैं।

नड्डा ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह को जीते जी कभी सम्मान न देने वाली कांग्रेस अब उनके सम्मान के नाम पर राजनीति कर

रही है। यह वही कांग्रेस है जिसने सोनिया गांधी को पीएम मनमोहन सिंह से ऊपर सुपर पीएम बनाकर पीएम पद की गरिमा को तार-तार कर दिया था। राहुल गांधी ने अध्यादेश फाड़कर पीएम मनमोहन सिंह का अपमान किया। और आज वही राहुल गांधी राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार ने देश के किसी भी बड़े नेता को न तो सम्मान दिया और न ही उनके साथ न्याय किया।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि चाहे वो कांग्रेस पार्टी के हों या विपक्ष के, चाहे वो बाबा साहब अंबेडकर हों, देश के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र बाबू हों, सरदार पटेल हों, लाल बहादुर शास्त्री हों, पीवी नरसिम्हा राव हों, प्रणब दा हों, अटल बिहारी वाजपेयी हों। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने पीएम मनमोहन सिंह की समाधि के लिए जगह दे दी है और परिवार को भी सूचित कर दिया है। फिर भी कांग्रेस झूठी खबरें फैला रही है। कांग्रेस का इतिहास याद रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की मृत्यु के बाद दिल्ली के राजघाट परिसर में समाधि स्थल बनाने की मांग उठी थी। लेकिन उस समय सोनिया गांधी ने इसे खारिज कर दिया था। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही थे जिन्होंने 2015 में उनके लिए एक स्मारक की स्थापना की थी। जब 2020 में पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ प्रणब मुखर्जी का निधन हो गया, तो कांग्रेस कार्य समिति को इसकी परवाह तक नहीं हुई शोक सभा बुलाने के लिए।

जम्मू-कश्मीर में ताजा बर्फबारी, बर्फ जमा होने के कारण बनिहाल-बारामुल्ला खंड पर ट्रेन सेवाएं स्थगित

कश्मीर, 28 दिसम्बर। कश्मीर में शनिवार को भारी बर्फबारी जारी रहने से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। शुक्रवार को बर्फबारी शुरू हुई, जो श्रीनगर और घाटी के अन्य मैदानी इलाकों में मौसम की पहली महत्वपूर्ण बर्फबारी थी।

अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में गुलमर्ग, सोनमर्ग, पहलगाम, गुरेज, जोजिला एक्सिस, साधना टॉप, मुगल रोड और बांदीपुरा, बारामूला और कुपवाड़ा जिलों के कई इलाकों में बर्फबारी हुई। श्रीनगर, गांदरबल, अनंतनाग, कुलगाम, शोपियां और पुलवामा जिलों के मैदानी इलाकों में इस मौसम की पहली बर्फबारी हुई। बर्फबारी के कारण श्रीनगर-लेह राजमार्ग और मुगल रोड को बंद करना पड़ा। कश्मीर में न्यूनतम तापमान हिमांक बिंदु से कई डिग्री

नीचे बना हुआ है, हालांकि शुक्रवार को इसमें थोड़ी राहत मिली। केंद्र शासित प्रदेश में न्यूनतम और अधिकतम तापमान दोनों ही सामान्य से नीचे बने हुए हैं - जो मौसम के इस समय के लिए असमान्य है। कम तापमान के कारण जल आपूर्ति पाइप में पानी जम गया है और डल झील सहित कई जल निकायों की सतह पर बर्फ की पतली परत जम गई। मौसम विभाग ने बताया कि श्रीनगर में बृहस्पतिवार रात न्यूनतम तापमान शून्य से 7.3 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। उत्तरी कश्मीर में न्यूनतम तापमान शून्य से छह डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात के समान ही था। विभाग ने बताया कि उत्तरी कश्मीर में स्कीइंग गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से छह डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। दक्षिण कश्मीर में वार्षिक अमरनाथ यात्रा के आधार शिविर पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से आठ डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। वर्तमान में कश्मीर घाटी चिल्ला-ए-कलां (भयंकर सर्दी) की चपेट में है। इसे सर्दियों का सबसे कठिन समय माना जाता है, जो 21 दिसंबर से शुरू हुआ था। चिल्ला-ए-कलां की 40 दिनों की अवधि के दौरान बर्फबारी सबसे अधिक होती है और तापमान काफी गिर जाता है। चिल्ला-ए-कलां अगले साल 30 जनवरी को खत्म होगा, लेकिन शीत लहर जारी रहेगी। 40 दिनों के बाद 20 दिवसीय चिल्ला-ए-खुर्द और 10 दिन का चिल्ला-ए-बच्चा भी होगा जब घाटी में ठंड में धीरे-धीरे कमी आएगी।

पटरियों पर भारी बर्फ जमा हो जाने के कारण शनिवार को बनिहाल-बारामूला खंड पर ट्रेन सेवाएं स्थगित कर दी गई हैं। रेलवे अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पटरियों से बर्फ हटाने के प्रयास जारी हैं। अधिकारियों ने बताया कि रेल की पटरी पर भारी बर्फ जमा होने और लगातार हिमपात के कारण बनिहाल-बारामूला खंड पर ट्रेन सेवाएं शनिवार दोपहर एक बजे तक स्थगित रहेंगी।

उपभोक्ता के बढ़ते शोषण पर अंकुश जरूरी

-ललित गर्ग

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में एक है और यह आजादी की शताब्दी वर्ष 2047 तक उच्च मध्य आय के दर्जे तक पहुंचने की आकांक्षा के साथ विश्व बाजार बनने के पथ पर आगे बढ़ने के लिए तैयार है। देश यह भी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि भारतीय बाजार एक ऐसी आदर्श बाजार व्यवस्था को स्थापित करें जिसमें उपभोक्ताओं की ठगी की बढ़ती घटनाएं पर पूर्णतः नियंत्रण हो। इसके लिये उपभोक्ता में उत्पादकता और गुणवत्ता संबंधित जागरूकता को बढ़ाने, जमाखोरी, कालाबाजारी, मिलावट, अधिक दाम, कम नाप-तौल, ठगी इत्यादि संकटों से उपभोक्ता को मुक्ति दिलाने एवं उपभोक्ता संरक्षण कानूनों के बारे में लोगों को जानकारी देकर उपभोक्ता के हितों की रक्षा करने के उद्देश्य से भारत में 24 दिसंबर को राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत में उपभोक्ता का मतलब ही ठगी का शिकार हो गया है। देश का प्रत्येक आदमी कहीं न कहीं अक्सर ठगा जा रहा है। आनलाइन बाजार व्यवस्था एवं ई-बाजारवाद में ठगी की घटनाएं एक बड़ी समस्या एवं चुनौती बन गया है। सरकार ने उपभोक्ता के अधिकारों के संरक्षण के लिए कानून भी बनाया है। उन्हें जगाने के निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। फिर भी उपभोक्ता सोये हैं, जबकि मुनाफे के लिए छल के नए-नए तरीके आजमाए जा रहे हैं, क्योंकि दो तिहाई से ज्यादा आबादी अपने ही अधिकारों के प्रति सतर्क नहीं है।

उपभोक्ताओं को शोषण से बचाने के लिए इसी दिन 24 दिसंबर, 1986 को भारत सरकार ने ऐतिहासिक उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम-1986 लागू किया गया था। इस अधिनियम एवं बाद में किये गये संशोधनों का उद्देश्य उपभोक्ताओं को दोषपूर्ण वस्तुओं, लापरवाह सेवाओं एवं अनुचित व्यापार प्रथाओं से संरक्षण करना है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के छह मौलिक अधिकार सुरक्षा का अधिकार, चुनने का अधिकार, सूचित किये जाने का अधिकार, सुनवाई का अधिकार, निवारण पाने का अधिकार एवं उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार हैं। यह दिन भारतीय ग्राहक आन्दोलन के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखा गया है। उपभोक्ता संरक्षण कानून से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य यह है की किसी भी शासकीय पक्ष ने इस विधेयक का तैयार नहीं किया बल्कि अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने प्रथमतः इस विधेयक का मसौदा तैयार किया था। हम में से हर व्यक्ति किसी न किसी रूप में उपभोक्ता है। कोई व्यक्ति जो अपने उपयोग के लिये सामान खरीदता है, वह उपभोक्ता है। उपभोक्ता क्योंकि संगठित नहीं हैं इसलिए हर जगह ठगा जाता है। इसलिए उपभोक्ता को जागना होगा और खुद को इन संकटों से बचाना होगा। बहुत कम उपभोक्ता जानते होंगे कि उनके क्या अधिकार हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के माध्यम से उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाता है और इसके साथ ही अगर वह धोकाधड़ी, कालाबाजारी, घटतौली, ठगी आदि का शिकार होते हैं तो वह इसकी शिकायत कर सकें। इस कानून में जीवन एवं संपत्ति के लिए हानिकारक सामान और सेवाओं की बिक्री के खिलाफ सुरक्षा का अधिकार दिया गया है, खरीदी गई वस्तु की गुणवत्ता, मात्रा, क्षमता, शुद्धता, स्तर और मूल्य, जैसा भी मामला हो, उसके बारे में जानकारी का अधिकार एवं इसके लिए आवाज उठाने का अधिकार है।

बढ़ते बाजारवाद एवं उदारीकरण के इस दौर में जैसे ही हम अपनी जरूरत की कोई चीज या सेवा लेते हैं, तभी उपभोक्ता का दायरा हमारे ऊपर लग जाता है। कायदे से किसी चीज या सेवा के एवज में चुकाई जाने वाली कीमत में किसी भी तरह की धोखाधड़ी एवं ठगी नहीं होना चाहिए, लेकिन अक्सर उपभोक्ता ठगे जाते हैं। खराब गुणवत्ता की चीजें और सेवा प्रदाता से अपने अधिकारों के हक की लड़ाई ही जागरूक उपभोक्ता की पहचान है। उपभोक्ता दिवस मनाते हुए हम केवल उपभोक्ता अधिकारों की ही बात नहीं करते बल्कि उपभोक्ता की उन्नत एवं सम्यक सोच को भी विकसित करते हैं। आर्थिक विसंगतियों एवं विषमताओं को दूर करने के लिये उपभोक्ता जागृति जरूरी है। आज का उपभोक्तावादी दृष्टिकोण एक प्रकार का सम्मोहन बन गया है, हिस्टीरिया की बीमारी बन गया है। सम्मोहन करने वाला जैसा नचायेगा, उपभोक्ता वैसा ही नाचेगा, फिर उपभोक्ता संरक्षण कैसे संभव होगी? यह तभी संभव है जब हमारा उपभोग के प्रति सम्यक दृष्टिकोण होगा। नया उपभोक्तावाद एक प्रकार से नई हिंसा का उपक्रम है। हिंसा, प्रतिस्पर्धा, सत्ता की दौड़ एवं आर्थिक साम्राज्य को इससे नया क्रूर आकार मिला है। क्योंकि उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ ने व्यक्ति को संग्रह, सुविधा, सुख, भोग-विलास एवं स्वार्थ से जोड़ दिया है। स्वार्थों के संघर्ष में अन्याय, शोषण एवं अनैतिकता होने लगी। आज की उपभोक्तावादी एवं सुविधावादी जीवन-धारा में जैसे-जैसे भोगवाद बढ़ता जा रहा है, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, प्रकृति दोहन, आतंकवाद, युद्ध, संघर्ष की स्थितियां बढ़ती जा रही है। समाज, राष्ट्र एवं विश्व में व्याप्त प्रदर्शन, दिखावा एवं फिजुलखर्ची पर नियंत्रण जरूरी है।

सरकार की ओर से उपभोक्ताओं को जागरूक किया जा रहा है, उनके हितों का संरक्षण भी किया जा रहा है, इसी की निष्पत्ति है 'जागो ग्राहक जागो' जैसे अभियान। उपभोक्ता अधिकारों पर काम करने वाली एनजीओ कट्स (सीयूटीएस) इंटरनेशनल ने समय-समय पर सर्वे के माध्यम से पता लगाया है कि कितने उपभोक्ता ठगे जाते है और कितने उपभोक्ता अपने अधिकारों के प्रति सचेत है। उपभोक्ता मंत्रालय के व्यापक जागरूकता अभियान के बावजूद गलत उत्पाद बेचकर ग्राहकों को ठगने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसी ठगी के शिकार 90 प्रतिशत लोगों ने तो कभी शिकायत ही नहीं की है। चार से पांच प्रतिशत उपभोक्ता ही कंपनी या उत्पाद निर्माता के पास अपनी शिकायत दर्ज कराते हैं। हालांकि हाल के वर्षों में आनलाइन खरीद और साइबर क्राइम में वृद्धि के चलते लोगों में अपने आप जागरूकता बढ़ रही है। शहरी क्षेत्र के लोग कुछ ज्यादा जागरूक हुए हैं, जबकि गांवों के लोग अभी भी अनजान हैं। गांवों के लोग यह भी नहीं जानते कि खरीदारी से पहले आईएसआई, आईएसओ एवं एगमार्क जैसे गुणवत्ता प्रमाणन की छानबीन करनी चाहिए। इंटरनेशनल कंज्यूमर पालिसी एक्सपर्ट प्रो. बीजान मिश्रा का कहना है कि अगर किसी से प्रेरित होकर कोई व्यक्ति उचित फोरम में चला भी गया तो गारंटी नहीं कि उसे समाधान मिल ही जाए। शिकायत दर्ज कराने वाले केवल 18 से 20 प्रतिशत उपभोक्ताओं को ही संतोषजनक समाधान मिलता है। बाकी को या तो समाधान नहीं मिला या कार्रवाई से संतुष्टि नहीं मिली। हालांकि सुखद संकेत है कि कई मामलों में त्वरित समाधान मिलने से उपभोक्ता निवारण तंत्र पर भरोसा धीरे-धीरे बढ़ रहा है। ई-प्लेटफार्म पर भरोसा नहीं होने पर भी खरीदारी बढ़ रही है। एक सर्वे में बात आई है कि शहरों में 56 प्रतिशत उपभोक्ता आनलाइन खरीद करने लगे हैं। हालांकि अलग बात है कि उन्हें आनलाइन खरीदे गए उत्पादों की गुणवत्ता पर भरोसा फिर भी नहीं होता।

आज की बाजार शक्तियां उपभोक्ताओं का शोषण करती है। इन्हीं उपभोक्तावादी एवं बाजार शक्तियों के कारण जीवन में सुख का अभिप्राय केवल भोग और उपभोग को माना जाने लगा है। ऐसे में झूठी शानो-शौकत के दिखावे के चक्कर में उपभोक्ता अविवेकशील होकर अनावश्यक चीजों को भी थैले में भरकर घर ला रहा है। बाजार एवं उपभोक्तावादी संस्कृति के इस काले जादू के आगे उपभोक्ता बेबस एवं लाचार खड़ा है। जिसके कारण वस्तुओं की गुणवत्ता के स्तर में गिरावट आ रही है। कोई भी चीज मिलावटरहित मिलना अब संभव नहीं है। न चाहते हुए भी उपभोक्ता लूट का शिकार बन रहा है। इतना ही नहीं, उपभोक्तावादी संस्कृति ने भोगवादी जीवन जीने के लिए मनुष्य के समक्ष नए आयाम प्रस्तुत किए हैं तथा उसे सुविधाभोगी बना दिया है। भोग्य वस्तुओं का उपयोग ही जीवन का प्रमुख लक्ष्य बन गया है। भोगवाद के कारण सबसे बड़ी हानि यह हुई है कि भोगों के प्रति रुचि या रति का गहरा पोषण हुआ है वही उपभोक्ताओं के शोषण भी बढ़ता जारहा है। इसी शोषण से मुक्त दिलाना ही राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस की सार्थकता एवं उपयोगिता है।

पोंजी स्कीम से लाखों लोगआत्महत्या के लिए मजबूर

अशोक भाटिया

शारदा स्कैम, सहारा के सुब्रत रॉय का पोंजी स्कीम, गुजरात का भूपेंद्र सिंह झाला का पोंजी स्कीम वगेरह से सावधान रहने की जरुरत

आप आए दिन पोंजी स्कीम के बारे में सुनते रहते होंगे। सहारा के सुब्रत रॉय ने भी पोंजी स्कीम का ही इस्तेमाल किया था और लाखों लोगों के साथ फ्रॉड किया था। शारधा स्कैम का आधार भी पोंजी स्कीम ही थी। पोंजी स्कीम की वजह से कई लोगों को तो इतना तगड़ा नुकसान हो गया कि उन्होंने आत्महत्या तक कर ली।दरअसल यह योजना धोखाधड़ी और अवैध निवेश संचालन जो कम या बिना किसी जोखिम के निवेश पर त्वरित, आसान और महत्वपूर्ण रिटर्न का वादा करता है। पोंजी स्कीम एक प्रकार की पिरामिड स्कीम है जिसमें पिरामिड के शीर्ष पर ऑपरेटर निवेशकों के एक छोटे समूह को प्राप्त करता है, जिन्हें शुरू में निवेशकों के दूसरे समूह से प्राप्त धन के माध्यम से जबरदस्त निवेश रिटर्न प्रदान किया जाता है। दूसरे समूह को, बदले में, निवेशकों के तीसरे समूह से प्राप्त धन से भुगतान किया जाता है, और यह तब तक चलता रहता है जब तक कि संभावित निवेशकों की संख्या समाप्त नहीं हो जाती और योजना ध्वस्त नहीं हो जाती। ऑपरेटर या तो योजना के आगे बढ़ने पर आने वाले निवेश का एक हिस्सा अपने पास रख सकता है या फंड लेकर फरार होने से पहले ऑपरेशन के ध्वस्त होने तक इंतजार कर सकता है।

हालांकि इतिहासकारों का मानना है कि पोंजी योजना के विभिन्न रूप 17वीं शताब्दी की शुरूआत में ही अस्तित्व में थे, लेकिन इस योजना का नाम कार्लो पोंजी के नाम पर रखा गया था, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में एक इतालवी आप्रवासी था , जिसने 1919-20 में यूरोपीय डाक टिकट बेचने की अपनी योजना के तहत न्यू इंग्लैंड के हजारों निवासियों से लाखों डॉलर ठगे थे। पोंजी ने शुरूआत में निवेशकों के एक छोटे समूह को 90 दिनों के भीतर उनके निवेश को दोगुना करने के वादे के साथ खरीदा था। जैसे-जैसे इस कथित जल्दी अमीर बनने के निवेश के अवसर की बात फैली, पोंजी के निवेशकों का समूह बढ़ता गया, जिससे वह बहुत ही कम समय में महत्वपूर्ण मात्रा में धन जुटा सका - एक बार तो उसने केवल तीन घंटों में $1 मिलियन जुटा लिए - और इस तरह अपने निवेशकों का विश्वास बनाए रखा। हालाँकि, नौ महीने के भीतर ही पोंजी की योजना ध्वस्त हो गई। हालाँकि उसका पूरा निवेश केवल $30 मूल्य के टिकटों के बराबर था, लेकिन उसने अंततः अपनी योजना के जरिए हजारों निवेशकों को लगभग $15 मिलियन का चूना लगा दिया। पोन्जी को 1920 में गिरफ्तार कर लिया गया और उन पर धोखाधड़ी और चोरी के कई आरोप लगाये गये तथा उन्हें जेल की सजा सुनाई गयी।

पोंजी इस योजना को लागू करने वाला अंतिम व्यक्ति नहीं था। अभी हाल ही में, 2007 में, यिलिशेन तियानक्सी ग्रुप के संस्थापक, चीनी व्यवसायी वांग फेंग्यो को ₹सामाजिक अशांति भड़काने₹ के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, जब उनकी चींटी-खेती योजना के गुस्साए पीड़ितों ने विरोध में सरकारी कार्यालयों में भीड़ लगा दी थी, जिसने कथित तौर पर अनुमानित दस लाख लोगों को $1 बिलियन से अधिक की ठगी की थी। 2008 में , अब बंद हो चुके कोलंबियाई वित्तीय समूह DMG ग्रुपो होल्डिंग रअ (DMG) के संस्थापक डेविड मर्सिया गुजमैन को एक प्रीपेड - डेबिट -कार्ड योजना संचालित करने के लिए धन शोधन के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और आरोप लगाया गया था, जिसने कथित तौर पर निवेशकों से $1 बिलियन से अधिक की लूट की थी; बाद में कई अन्य लोगों को भी इस योजना के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया और उन पर आरोप लगाए गए। मार्च 2009 में उन्होंने धोखाधड़ी और धन शोधन के 11 आरोपों में दोष स्वीकार किया और जून में उन्हें 150 वर्ष कारावास की सजा सुनाई गयी।

शारदा स्कैम, सहारा के सुब्रत रॉय का पोंजी स्कीम व छोटी मोटी स्कीमों के बाद हाल ही में गुजरात के गांधीनगर में एक बीजेड पोंजी स्कीम प्रकाश आई जिसमें बताया जाता है कि 6000 करोड़ का घोटाला हुआ है । हालाँकि गुजरात के गांधीनगर में सीआईडी क्राइम ने बीजेड पोंजी स्कीम के मुख्य आरोपी भूपेंद्रसिंह झाला को अरेस्ट किया है। मेहसाणा के विसनगर के दवाडा गांव से गिरफ्तार हुआ झाला 6000 करोड़ रुपये के इस घोटाले का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। पुलिस ने उसकी संपत्तियों को जब्त कर लिया है और रिमांड के दौरान कई और खुलासे होने की संभावना है। यह आरोपी आसानी से हाथ नहीं आया है। इसके लिए सीआईडी क्राइम ने भूपेन्द्र झाला के करीबी लोगों के फोन कॉल ट्रेस किए। कॉल डिटेल के आधार पर झाला तक पहुंचने की प्रक्रिया शुरू की गई। झाला के सामाजिक और व्यावसायिक क्षेत्रों से जुड़े संपर्कों की भी जांच की गई। इसके बाद उसे दवाड़ा गांव के एक फार्म हाउस से पकड़ लिया गया। भूपेन्द्र झाला की गिरफ्तारी से करोड़ों के इस घोटाले में और भी कड़ियां खुलने की संभावना बताई जा रही है। सीआईडी टीम घोटाले से जुड़े संदिग्ध संपर्कों और अन्य दस्तावेजों और सबूतों की तलाश कर रही है।

बताया जाता है कि पुलिस की पकड़ से बचने के लिए बीजेड ग्रुप के सीईओ भूपेन्द्र झाला ठिकाने बदल रहा था। पुलिस ने साबरकांठा, अरावली समेत उत्तर गुजरात के कई जिलों में छापेमारी की थी। पिछले एक माह से वह ठिकाना बदलता रहा। गिरफ्तारी से बचने के लिए गुजरात हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी भी लगाई, लेकिन कोर्ट से झाला को राहत नहीं मिली। भूपेन्द्र को किसने पनाह दी और इस घोटाले में कौन शामिल है, इसकी जांच हो रही है।इस पूरे नेटवर्क से जुड़े एजेंटों को पहले भी हिरासत में लिया जा चुका है। मुख्य आरोपी भूपेन्द्रसिंह झाला एजेंटों को महंगी कारें गिफ्ट करता था। ये वाहन सीआईडी क्राइम ने जब्त कर लिए थे। सीआईडी क्राइम भूपेन्द्रसिंह झाला को आज शनिवार को कोर्ट में पेश करेगी और रिमांड की मांग की जाएगी। रिमांड के दौरान कई सबूत मिलने की संभावना है।

गांधीनगर सीआईडी टीम का आरोप है कि पूरे मामले में भूपेन्द्र झाला ने एक से तीन गुना पैसा देकर और सामान्य निवेश के मुकाबले ज्यादा रिटर्न का लालच देकर 6000 करोड़ का घोटाला किया है। सरकारी वकील ने ग्राम न्यायालय में कहा कि भूपेन्द्र झाला के पास केवल साबरकांठा के लिए साहूकारी का लाइसेंस है। हालांकि उसने एजेंट नियुक्त किए और एक पूरा नेटवर्क बनाया।इसके अलावा कुछ कंपनियां बिना किसी प्रकार के लाइसेंस या अनुमति के भी बनाई गई हैं, जिसमें एजेंटों के माध्यम से लोगों से करोड़ों रुपये का इन्वेस्टमेंट कराया गया है। सरकारी वकील ने कोर्ट को यह भी बताया कि भूपेन्द्र झाला ने अपने और अपने परिवार के नाम पर करोड़ों रुपये की चल-अचल संपत्ति बनाई है। इस संबंध में सीआईडी क्राइम के डीआईजी परीक्षिता राठौड़ के अनुसार आरोपी काफी समय से फरार था।हमारी टीम उसकी तलाश कर रही थी। सीआईडी क्राइम को पता चला कि भूपेन्द्रसिंह झाला मेहसाणा के विसनगर के दवाडा गांव में बीजेड पोंजी स्कीम का मुख्य आरोपी है।लोगों से अपील की गई है कि जिनका पैसा फंसा है, वे भी शिकायत दर्ज कराएं। इस मामले में 95 करोड़ रुपये का भुगतान करने के लिए प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है। सीआईडी क्राइम ने आरोपी की संपत्ति जब्त कर ली है। आरोपियों को पनाह देने वाले फार्म हाउस पर भी एक्शन होगा। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, यह योजना 2020 से शुरू की गई थी।

एक और खास बात लोगों को लगता है कि ऐसे स्कैम में केवल किसान, गरीब लोग और पेंशनभोगी ही फंसते है ऐसा नहीं है गुजरात पुलिस ने दावा किया है कि साबरकांठा जिले के भूपेंद्र सिंह जाला द्वारा शुरू की गई पोंजी स्कीम में कई क्रिकेटरों और स्कूली शिक्षकों ने भी निवेश किया था। अब तक पांच से छह क्रिकेटरों के नाम सामने आए हैं, जिनका निवेश दो करोड़ रुपये तक था। हालांकि, पुलिस ने उनकी पहचान अभी तक सार्वजनिक नहीं की है। पुलिस के अनुसार कई बार, घोटालेबाज जनता के बीच विश्वनीयता के लिए मशहूर हस्तियों को अपनी योजनाओं में निवेश करने के लिए मना लेते हैं।

संभलः इतिहास के पन्नों से जीवंत होती हिन्दू धर्म की विरासत

-सुशांत अमन

पश्चिमी उत्तर प्रदेश का संभल जिला आजकल लाइमलाइट में हैं। देश-विदेश सभी जगह संभल की चर्चा चल रही है। ऐसा लग रहा है कि पूरा संभल ही ऐतिहासिक धरोहर पर बैठा हो और जिसे मुगल काल में बेरहमी से कुचला गया हो। दरअसल, आज का मुस्लिम बाहुल्य संभल हमेशा ऐसा नहीं था। पिछले कुछ दशकों में यहां हिन्दुओं की जनसख्या काफी तेजी से कम हुई है। इसके पीछे की मुख्य वजह यहां दंगों का इतिहास रहा है,जिसमें सैकड़ों हिन्दुओं को समय-समय पर जान से हाथ धोना पड़ चुका था, लेकिन किसी सरकार ने इसकी सुध नहीं ली, परिणाम स्वरूप यहां से बड़ी संख्या में भयभीत हिन्दुओं ने पलायन कर लिया। फिर भी संभल हिन्दुओं के लिये हमेशा से धार्मिक महत्व रखता है। यह विष्णु के दसवें और अंतिम अवतार कल्कि का कथित जन्म स्थान है। हिंदू शास्त्रों के अनुसार,कल्कि कलयुग (अंधकार का युग) को समाप्त करने के लिए संभल में प्रकट होने वाले हैं। वर्ष 2024 की शुरूआत में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां भव्य कल्कि धाम का शिलान्यास और राम राष्ट्र का आह्वान किया था। दावा यह किया गया था कि कल्कि का अवतार हजारों वर्षों के भविष्य का निर्धारण करेगा।

खैर, साल के शुरू में भगवान विष्णु के आखिरी अवतार कल्कि महाराज के संभल में प्रकट होने की बात कही जा रही थी तो साल का अंत आते-आते कुछ हिन्दू पक्षकारों द्वारा दावा किया जाने लगा कि संभल की जामा मस्जिद भगवान कल्कि को समर्पित एक मंदिर के खंडहरों पर बनाई गई थी। मामला स्थानीय अदालत में पहुंचा और याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया गया है कि 1526-27 में बाबर के आक्रमण के दौरान मंदिर को नष्ट करने के बाद मस्जिद का निर्माण किया गया था। सबूत के तौर पर कहा गया कि बाबरनामा और अकबरनामा जैसे ऐतिहासिक ग्रंथ बाबर की ओर से मंदिर के विनाश का दस्तावेजीकरण करते हैं। कोर्ट ने इस पर सर्वे का आदेश दे दिया,जिसकी परिणीति 24 नवंबर 2024 को संभल में हुये दंगे के रूप में हुई। क्योंकि जामा मस्जिद के पैरोकार यह बात मानने को तैयार नहीं थे कि उनकी मस्जिद किसी मंदिर के ऊपर बनाई गई है। इसी लिये सर्वे टीम जब 24 तारीख को सर्वे करने के लिये जामा मस्जिद पहुंचे तो शहर में पुलिस और मुस्लिम आमने-सामने आ गये जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई। इसके बाद किसी तरह से मामला शांत किया गया।

जामा मस्जिद बनाम कल्कि मंदिर का विवाद थमा भी नहीं था कि कुछ दिनों बाद यहां अतिक्रमण हटाये जाने के दौरान मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में प्राचीन मंदिर मिलने के बाद एक बार फिर संभल देशभर में सुर्खियों में आ गया। दरअसल, जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा के बाद प्रशासन की टीम इलाके में बिजली और अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चला रही थी। इसी अभियान के दौरान 14 दिसंबर को खग्गू सराय इलाके में प्रशासन को एक प्राचीन मंदिर मिला, जो करीब 50 सालों से बंद पड़ा था। यह कार्तिकेश्वर महादेव का मंदिर था। मंदिर में शिवलिंग के अलावा हनुमान की मूर्ति थी। इसी मंदिर से तकरीबन 200 मीटर दूर सपा के सांसद जिया उर रहमान बर्क का घर है। बाद में कार्तिकेश्वर महादेव मंदिर के पास कुआं मिला। कुएं की खुदाई में कुछ देवी-देवताओं की मूर्तियां मिली। इसी मंदिर से 50 मीटर पर दूरी पर दूसरा कुआं मिला, जो मस्जिद के सामने मौजूद था। इसके बाद 17 दिसंबर को संभल के सरायतरीन इलाके में राधा कृष्ण मंदिर मिला। मंदिर के प्रांगण में ही कुआं निकला। मंदिर के अंदर राधा कृष्ण के अलावा हनुमान की मूर्ति थी। बाद में इसकी साफ सफाई कराई गई। फिर 21 दिसंबर को संभल के चंदौसी तहसील इलाके के लक्ष्मण गंज में खंडहरनुमा प्राचीन बांके बिहारी मंदिर मिला। कहा जा रहा है कि 25 साल पहले इस इलाके में हिंदू बड़ी तादाद में रहा करते थे, लेकिन कुछ समय बाद यहां मुसलमानों की संख्या बढ़ी और हिंदुओं की आबादी कम होने के चलते धीरे-धीरे उनके यहां से पलायन शुरू हो गया। ये भी बताया जा रहा है कि इस मंदिर में 2010 तक पूजा अर्चना होती थी, लेकिन 2010 में कथित रूप से शरारती तत्वों ने मंदिर में विराजमान भगवान बांके बिहारी की प्रतिमा और शिवलिंग समेत अन्य मूर्ति को खंडित कर दिया था।

संभल के इतिहास में 22 दिसंबर फिर खास बनकर आया क्योंकि अबकि से संभल की तहसील चंदौसी के लक्ष्मण गंज में एक पुरानी बावड़ी मिली थी। बताया जाता है कि ये बावड़ी तकरीबन 150 साल पुरानी है।इसका दायरा करीब 400 वर्ग मीट है। बांके बिहारी मंदिर से तकरीबन 150 मीटर दूर यह बावड़ी मिली है। स्थानीय लोगों का दावा है कि ये 1857 की बावड़ी है। स्थानीय लोग कहते हैं कि हिंदुओं का पलायन होने के बाद से उस जगह को माफियाओं ने कब्जा लिया था। इतिहास यहीं तक नहीं था। 26 दिसंबर को संभल के खग्गू सराय इलाके में शाही जामा मस्जिद से तकरीबन 200 मीटर दूर एक मृत्यु कूप मिला है। संभल नगर निगम के वार्ड मेंबर के मुताबिक, ये कूप संभल के 19 कूपों में से एक है। ये कूप पिछले कई सालों से बंद हो गया। आसपास के जो घर बने हैं, उसका मालवा यहां डाल दिया गया था। अब नगर निगम इस कूप की खुदाई करवा रहा है, ताकि इस प्राचीन कूप को एक बार फिर से जीवंत किया जा सके।

चंदौसी में बावड़ी मिलने के बाद चंदौसी से कुछ किलोमीटर दूर बिलारी के राजा और पूर्व सांसद राजा चंद्रविजय सिंह ने सहसपुर स्थित अपने महल में प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि लोग कह रहे थे कि चंदौसी में एक बावड़ी मिली है। बावड़ी तीन मंजिल की है, जो अनोखी चीज है। उत्तरी भारत में बहुत कम बावड़ी हैं। बावड़ी का ज्यादा रिवाज राजस्थान और गुजरात आदि में होता है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग इस बावड़ी को अपनी बता रहे हैं। जो लोग ये कह रहे हैं उनसे वह परिचित नहीं हैं। जबकि सच्चाई ये है कि हमारे परिवार की बनाई हुई है। हमारे परिवार की मिल्कियत है। परिवार में दो लोग हैं। एक मैं और मेरी छोटी बहन। ये बात स्पष्ट करनी थी। राजा चंद्र विजय सिंह ने कहा कि हम ये चाहते हैं कि पुरातत्व विभाग इसे अपनी सुपुर्दगी में ले और उसका जीर्णोद्धार करे, ताकि यह चंदौसी वासियों के लिए एक अच्छा पर्यटन स्थल बने। बेबी राजा ने बताया कि बावड़ी के बारे में उन्होंने सुना था लेकिन ये नहीं मालूम था कि यहां दबी है। वहां जो कृष्ण निवास करके कोठी थी। वह हमारे बुजुर्ग राजा कृष्ण कुमार सिंह साहब ने बनवाई थी। वहां एक पत्थर भी लगा है। जिस पर कृष्ण निवास लिखा है। उसी कोठी परिसर में ये बावड़ी बनी है। प्रशासन पुराने रिकॉर्ड खंगाले तो सच सामने आ जाएगा।

मोबाइल, इंटरनेट अति उपयोगी पर मानसिक, शारीरिक व्याधियों का बड़ा कारण

संजीव ठाकुर

मोबाइल इंटरनेट वर्तमान युग में अत्यंत उपयोगी है इसके बिना शिक्षा स्वास्थ्य तकनीकी में कार्य नहीं किया जा सकता है पर दूसरी तरफ मनुष्य के मानसिक तथा शारीरिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव भी मोबाइल इंटरनेट और कंप्यूटर से पड़ने लगा है।

टेलीफोन, मोबाइल, इंटरनेट के अविष्कार के बाद मानवीय संचार माध्यम के अविष्कार के बाद संचार विज्ञान के इतिहास में अत्यंत समीचीन तथा भविष्य का एक तूफानी विकास है। विभिन्न संचार माध्यमों के आपस में जुड़े कंप्यूटर एवं विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का समूह कंप्यूटर नेटवर्क कहा जाता है, और इन्हीं कंप्यूटर नेटवर्क का विश्व स्तरीय अंतरजाल को अंग्रेजी में इंटरनेट कहा जाता है। अमेरिका में एक दूसरे के सूचना माध्यमों को जोड़कर जानकारी गुप्त रूप से आदान-प्रदान करने के लिए 1969 में अमेरिका में कंप्यूटर में 'अपारनेट' की स्थापना की गई थी। इसी परिकल्पना के साथ कंप्यूटर नेटवर्क, आगे चलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेटवर्क इंटरनेट के रूप में परिवर्तित हो गया। इंटरनेट का सार्थक उपयोग समाज में शिक्षा संगठन और भागीदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण पॉजिटिव ट्रैक होने के साथ एक चमत्कारिक परिवर्तन समाज में आया है। आज लोगों के शौक खेलना, पढ़ना ,संगीत सुनना, चित्र बनाना ,फोटोग्राफी परिवर्तित होकर 90% लोगों के इंटरनेट सर्फिंग, संगीत सुनना और चित्र बनाने जैसे शौक इंटरनेट से मोबाइल अथवा कंप्यूटर के माध्यम से पूरे किए जा रहे हैं। विश्व में जनसंख्या के हिसाब से 4 अरब लोग इंटरनेट कंप्यूटर तथा मोबाइल के माध्यम से सुबह शाम इस्तेमाल कर रहे हैं। भारतीय परिपेक्ष में 135 करोड़ की अनुमानित जनसंख्या वाले देश में लगभग 40% लोग मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग कर एक दूसरे से जुड़ने का प्रयास कर रहे हैं। इंटरनेट एक ऐसा सेवक है जो मोबाइल के माध्यम से आपके सभी आदेशों का पालन करने के लिए दिन रात उपलब्ध है। मोबाइल और कंप्यूटर में उपयोग होने वाला इंटरनेट एक ऐसा अंतरजाल है जिस का आविष्कार सूचनाओं को साझा करने के उद्देश्य किया गया था और अब सूचना प्रौद्योगिकी के इस वर्तमान काल में दस्तावेजों एवं धोनी माध्यम के साथ वीडियो का आदान प्रदान करना भी इंटरनेट के माध्यम से संभव हो गया है। हवाई जहाज की, होटल की, किताबों की और व्यापार बढ़ाने की योजनाओं की बुकिंग इंटरनेट द्वारा घर बैठे कंप्यूटर या मोबाइल से किया जा सकता है। सरकार की प्रशासनिक कार्यों से लेकर व्यापार ,शिक्षा के नव अवसर भी इंटरनेट के माध्यम से पूर्ण किए जाने लगे हैं। इंटरनेट ने पूरे विश्व को एक दूसरे के एकदम करीब लाने के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी में एक चमत्कारिक परिवर्तन लाया है।

भारत में इस इंटरनेट या अंतरजाल ने जहां पूरे भारत को एक करके रख दिया है वहीं दूसरी तरफ इंटरनेट की सेवाएं जो एयरटेल आइडिया, डोकोमो, टाटा, जिओ और बीएसएनएल जैसी कंपनियां भारतीय उपभोक्ताओं को शहर से लेकर गांव तक अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। दूसरी तरफ पूर्व में जहां गरीब उपभोक्ता 10 से लेकर 100 तक आसानी से रिचार्ज करा लिया करता था ,अब इंटरनेट की कंपनियां 200 से लेकर 1000 तक बात करने की सुविधा के साथ इंटरनेट की सुविधा भी साथ में उपलब्ध करा रहे हैं जो सीधे-सीधे आम उपभोक्ता के लिए उनकी आर्थिक स्थिति में सेंध मारने जैसा कार्य है। हालांकि यह सेवाएं स्वैच्छिक हैं, उपभोक्ता इंटरनेट की सेवाएं लेना चाहे तो ले अन्यथा केवल बातचीत करने की सेवाएं सी ले सकता है,पर एक बार इंटरनेट इस्तेमाल करने की आदत पड़ने के बाद उपभोक्ता इसका आदी होने लगता है।अब स्थिति यह है कि सीधा 28,58,89 दिनों के लिए इंटरनेट के साथ बात करने की सुविधा महंगी दरों में उपलब्ध कराई जा रही है। जिससे गरीब उपभोक्ता की जेबों में हमला कर उनका मासिक बजट बिगाड़ने का काम हो रहा है, इस तरह से बात करने की सुविधा के साथ इंटरनेट भी दिया जाना भारत के ग्रामीण क्षेत्र में गरीब व्यक्ति को और भी गरीबी के दलदल में धकेलने जैसा ही है। यह सभी कंपनियों का गरीब उपभोक्ता के जेबों में सीधे-सीधे पैसे निकालने का सुनियोजित षड्यंत्र की तरह कर रहीं है। भारत के हर तीसरे व्यक्ति के पास एंड्राइड या स्मार्टफोन उपलब्ध है और यह बड़ी कंपनियां हर माह इन उपभोक्ताओं को आवश्यक रूप से इंटरनेट उपलब्ध कराने के पैकेज देकर अपना उल्लू सीधा करने का प्रयास कर रही है, इस पर प्रभावी नियंत्रण अति आवश्यक है। इस तरह के मोबाइल रिचार्ज पर सरकार को कड़ा कानून बनाकर इस के नियमन पर नियंत्रण रखना होगा। यह एक तरह की उपभोक्ताओं की परोक्ष तथा अदृश्य भावनाओं से खेल कर उनके बजट से आर्थिक लाभ लेने की सुनियोजित योजनाएं हैं ,जिनमें तत्काल नियंत्रण की आवश्यकता होगी। भारत में इंटरनेट सेवा की शुरूआत भारत संचार निगम लिमिटेड ने वर्ष 1995 की थी अब एयरटेल, रिलायंस, टाटा इंडीकॉम, वोडाफोन, जैसी दूरसंचार कंपनियां इंटरनेट सेवा उपलब्ध कराती है। विज्ञान की प्रकृति के साथ-साथ सूचना संचार माध्यम में आशातीत वृद्धि हुई है। इंटरनेट के माध्यम से न केवल उच्च शिक्षा प्राप्त की जा सकती बल्कि रोजगार प्राप्ति के लिए सहायक होते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कहा जाता है कि इंटरनेट दुनिया के सबसे बड़ा पुस्तकालय है यहां सभी पुस्तकें पढ़ने के लिए उपलब्ध हैं। इंटरनेट की एक को ही देखकर हमें भारतीय संदर्भ में आम उपभोक्ताओं के आर्थिक बजट को भी ध्यान में रखकर इंटरनेट उपलब्ध कराने वाली एजेंसियों पर नजर रख बातचीत करने के लिए सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ इंटरनेट उपलब्ध कराना एक विकल्प रखना चाहिए । अन्यथा सीधा-सीधा इंटरनेट कंपनियां भारतीय आम उपभोक्ताओं का बजट बिगड़ने का काम ही कर रही है। इसके अलावा इंटरनेट से बच्चों तक अवांछित नग्न दृश्य भी इंटरनेट आसानी से उपलब्ध कराकर उनके भविष्य से खिलवाड़ भी कर रहा है। लोग इंटरनेट का दुरुपयोग कर अश्लील साइटों को देखने और सूचनाओं को चुराने में भी सकते इससे साइबर अपराधों में वृद्धि हुई है।भया दोहन की घटनाएं भी बार-बार इंटरनेट के माध्यम से आम उपभोक्ताओं को परेशान कर रही है। अतः भारतीय उपभोक्ताओं को यह सलाह है कि इंटरनेट का ज्ञान की तरह उपयोग करें ,कूड़ेदान की तरह नहीं। यदि इसका सही उपयोग ज्ञान के सागर में गोता लगाने के लिए किया जाए और ज्ञान उपलब्ध हो सके तो इससे अच्छी कोई बात नहीं हो सकती। बस इसके आर्थिक पक्ष पर भी समुचित नजर रखी जानी चाहिए।

भोपाल कैश कांड पर दिग्विजय सिंह ने उठाए सवाल

सिंधिया, शिवराज और गोविंद सिंह पर लगाए गंभीर आरोप

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मध्य प्रदेश परिवहन विभाग के पूर्व कॉन्स्टेबल की काली कमाई को लेकर भोपाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि आज तक भ्रष्टाचार का इतना बड़ा मामला कभी नहीं देखा गया। दिग्विजय सिंह ने इस मामले में ज्योतिरादित्य और गोविंद सिंह राजपूत पर सीधे आरोप लगाए। उन्होंने मामले में लिप्त सौरभ शर्मा समेत उनके साथियों के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज करने की मांग की।

दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि जब कमलनाथ सरकार बनी थी तब कमलनाथ पर ज्योतिरादित्य सिंधिया का इतना दबाव था कि परिवहन विभाग गोविंद राजपूत को दिया जाए। इसके बाद एक बोर्ड बनाया गया। जैसे ही सरकार गिरी और शिवराज सिंह सीएम बने, सिंधिया ने दबाव डाल कर सबसे पहले बोर्ड को खत्म किया। शिवराज सिंह चौहान ने इसे खत्म किया। इसके बाद फिर ठेका प्रणाली शुरू हो गई जो सबसे ज्यादा वसूली करेगा उसकी नियुक्ति गोविंद राजपूत द्वारा हो जाती थी। जंगल में एक कार में 52 किलो सोना, 11 करोड़ नगद मिला। परिवहन विभाग के अंदर किस तरह से चेक पोस्ट की नीलामी हो रही थी। पुलिस प्रशासन ने इसे दबाने का पूरा प्रयास किया लेकिन एक कॉन्स्टेबल रहे सौरभ शर्मा का नाम सामने आया है।

पूर्व सीएम ने कहा कि लोकायुक्त और पुलिस की कारवाई के बीच आयकर विभाग नहीं आता, तो शायद कार्रवाई नहीं होती। सौरभ शर्मा दुबई में है, दुबई में पूछा नहीं जाता कि कहां का पैसा है। इसलिए वहां रियल स्टेट में पैसा लगाया गया होगा। मेरे पास जो जानकारी समाने आई है इसमें चार लोग शामिल थे। जिसमें संजय श्रीवास्तव, ऑर्डर करवाते थे, फ्ळकवीरेश, दशरथ सिंह पटेल और सौरभ शर्मा वसूली करते थे। चारों की गिरफ्तारी कर मनी ट्रेल का मामला दर्ज करना चाहिए। सब आरोपियों के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस होना चाहिए। दिग्विजय सिंह ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी मामले में जांच करने को लेकर पत्र लिखा।

श्री महाकाल सेवा संस्था के द्वारा अखंड रामायण पाठ का आयोजन 31 को

नालासोपारा (उत्तरशक्ति) ।ओस्तवाल नगरी शिव दर्शन बिल्डिंग के सामने स्थित श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर के प्रांगण में 31 दिसंबर 2024 दिन मंगलवार से श्री रामचरित मानस पाठ (अखंड रामायण पाठ) का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन श्री महाकाल सेवा संस्था एवं सकल सनातन धर्म समाज के तरफ से रखा गया है। जिसका पूणाहुति 1 जनवरी 2025 दिन बुधवार को होगा । यह कार्यक्रम पंडित आशुतोष मिश्रा, एडवोकेट सुशील सिंह , बिरेंद्र मिश्रा (बिरु) बसंत गुप्ता , दिलीप दुबे, राजकुमार सिंह , प्रदीप तिवारी , मुकेश विश्वकर्मा के तरफ से रखा गया है। हवन यज्ञ पंडित आचार्य शशिधर तिवारी के सानिध्य में होगा, दिनांक 1 जनवरी 2025 दिन बुधवार प्रातः 10 बजे अखण्ड रामायण पाठ संपन्न होगा। दोपहर 2 बजे रुद्राभिषेक पूजा तथा शाम 5 बजे हवन यज्ञ एवंम आरती किया जाएगा तत्पश्चात महाप्रसाद वितरण किया जाएगा। सभी सनातनी व भक्त गणों से प्रार्थना है कि ठीक समय पर पधार कर कार्यक्रम को सफल बनाएं। यह जानकारी पंडित आचार्य दिनानाथ शुक्ल ने प्रेस विज्ञाप्ति के माध्यम से दी है।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई का जन्मदिन मनाया गया

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। वसई रोड 97 बोर्ड साईं नगर भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में अटल बिहारी वाजपेई का जन्मदिन मनाया गया। जिसमें उद्योगपति और भाजपा नेता चंद्रशेखर धुरी, मनोज शर्मा, विजय राठौड़, लवली शर्मा, रवि शेट्टी, नागेश हेबले, नरेंद्र सोनी, कंचन सोनी, प्रिया प्रेमलवर, जय श्री रोमा उपस्थित रही। शेखर धुरी दादा ने अटल जी का पूरा जीवन चरित्र के बारे में जानकारी दी और मनोज शर्मा ने आभार जताया तथा पुष्प अर्पित किया।

गोल्डन ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में 40 आदिवासी परिवार को कंबल अन्न धान्य वस्त्र वितरण

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण के नजदीक सापाड़ गांव में प्रति आदिवासी परिवार को एक कम्बल, साड़ी, ट्रैक सूट अन्न धान्य का एक किट प्रति परिवार को सहायता संस्था की तरफ से किया गया। साथ नगद राशि एक हजार रुपये ,प्रति परिवार को प्रदान किया गया। इस कंबल और अन्न - धान्य तथा नए - वस्त्र वितरण के अवसर पर संस्था के अध्यक्ष डॉ.विजय पंडित और संस्था के सहयोगी प्रो.सोहनी मैडम,सूर्यकांत कोळी,विशाल कुंटे,दिलबाग सिंह,सचिन गोरे,संध्या जाधव,शीतल पाटिल,रणबीर सिंह,अमीना शेख,अरविंद जोशी,दिलीप गांगुरडे,नाना चिखले,बंटी ढोमसे,आशुतोष तिवारी आदि मान्यवर उपस्थित थे। इस अवसर पर सभी आदिवासी परिवार तथा उनके बच्चों के साथ नास्ता व चायपान की व्यवस्था भी उपरोक्त संस्थाओं के माध्यम से की गई थी। डॉ.विजय पंडित ने सहयोगी दानदाताओं का जिनके माध्यम से लगभग 60 हजार रुपये के अन्न - धान्य,40 कंबल,नई साड़ियां,नए ट्रैक सूट, वस्त्र इत्यादि सहयोग प्रदान करने के लिये आभार माना।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर अनेक राजनेताओं और सामाजिक संगठनों की ओर से श्रद्धांजलि दी गई

मुंबई। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन से देश ने एक सच्चा देशभक्त, महान अर्थशास्त्री और सादगी का प्रतीक खो दिया। इन्हीं शब्दों में मुंबई प्रदेश चर्मकार विकास संघ के अध्यक्ष सुभाष मराठे ने डॉक्टर मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी ।मुंबई प्रदेश चर्मकार विकास संघ के अध्यक्ष सुभाष मराठे ने यह भी कहा कि नई अर्थनीति को लागू करने में डॉक्टर मनमोहन सिंह का सराहनीय प्रयास रहा है। यही वजह है कि आज देश बहुत ही तेजी से विकास कर रहा है ।वहीं राष्ट्रवादी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के पक्षाध्यक्ष नामदेव साबले ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि 1991 के आर्थिक संकट में उनका दूरदर्शी नेतृत्व भारत के लिए वरदान साबित हुआ। देश को आर्थिक महासत्ता बनाने में उनका सराहनीय कार्य रहा है। उनके अतुलनीय योगदान को इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। मुंबई कांग्रेस रोजगार स्वयं रोजगार विभाग के महासचिव डॉक्टर सत्तार खान ने कहा कि उनके सुधारों ने करोड़ों भारतीयों के जीवन को बेहतर बनाया। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने सूचना क्रांति, मनरेगा, किसानों की कर्जमाफी और शिक्षा के अधिकार जैसे ऐतिहासिक कदम उठाए, जिनका लाभ भारत आज भी उठा रहा है।

दीप ग्लोबल स्कूल की ओर से आयोजित अंतर-विद्यालय नृत्य प्रतियोगिता सम्पन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। दीप ग्लोबल स्कूल बोईसर की ओर से शुक्रवार को अंतर-विद्यालय नृत्य प्रतियोगिता का शानदार आयोजन किया गया। अंतर-विद्यालय नृत्य प्रतियोगिता कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित दीप कैम्पस के सह संस्थापक व एस.ए.एस.इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के निदेशक डॉ. भागेश संखे द्वारा किया गया। इस अंतर-विद्यालय नृत्य प्रतियोगिता के आयोजन में विभिन्न विद्यालयों के छात्रों ने हिस्सा लिया, जिसमें जेना अल्फा के छात्रों ने रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस आयोजन में 15 समूह नृत्य तथा 23 एकल नृत्य प्रतियोगिता को शामिल किया गया जिसमें करीब 200 से अधिक युवा नर्तकों ने अपने उत्साह शालीनता और अभिनव प्रदर्शन से मंच को शोभायमान बनाया।प्रतियोगिता में शास्त्रीय और लोक से लेकर समकालीन शैलियों तक के विविध नृत्य रूप शामिल थे, जो प्रतिभागियों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और गतिशील रचनात्मकता को दशार्ते थे। इस नृत्य प्रतियोगिता के सम्मानित निर्णायक अभिषेक भूते, आनंद राघवन और पंकज ने छात्रों की ऊर्जा, कलात्मकता और समर्पण की प्रशंसा की। एक उत्साही प्रतियोगिता के बाद नई शिक्षा नीति के आधार पर निम्नलिखित स्कूल विजेता बनकर उभरे, समग्र प्रगति कहती है कि फाउंडेशन स्टेज के छात्र को प्रथम, द्वितीय और तृतीय के रूप में पुरस्कृत करने के बजाय प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व के साथ पुरस्कृत किया जाना चाहिए।

इसलिए दीप ग्लोबल स्कूल ने प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व के रूप में सेलेस्टियल स्टार को प्रथम, एलिगेंट पीक को द्वितीय, ग्रेसफुल स्ट्रीम को तृतीय, लिटिल वंडर को कंसोलेशन के रूप में चुना। समूह नृत्य विजेता के तौर पर प्रथम स्थान पर तारापुर विद्या मंदिर, द्वितीय स्थान पर चिन्मय विद्यालय और चिन्मय इंटरनेशनल, तृतीय स्थान पर दीप ग्लोबल स्कूल तथा उत्तेजनार्थ स्थान प्रबोधन ठाकरे विद्यालय को प्राप्त हुआ। वहीं एकल नृत्य विजेता के तौर पर प्रथम स्थान पर सी.बी.संखे, द्वितीय स्थान पर रॉयल अकादमी, तृतीय स्थान पर दीप ग्लोबल स्कूल और श्री गणेश नर्सरी तथा उत्तेजनार्थ स्थान पर डॉन बॉस्को स्कूल और सी.बी.संखे के छात्रों ने कब्जा जमा लिया।

इस दौरान दीप ग्लोबल स्कूल ने नन्हे-मुन्नों को लकी ड्रॉ की घोषणा करके आश्चर्यचकित कर दिया, जिसे 3 खंडों में विभाजित किया गया था। जिसमें पहला 6 लकी ड्रॉ, दूसरा 3 मेगा ड्रॉ तथा तीसरा 1 जंबो ड्रॉ शामिल रहा। गर्वित मेजबान दीप ग्लोबल स्कूल द्वारा सभी प्रतिभागियों, अभिभावकों व शिक्षकों के प्रति उनके समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया गया तथा इस कार्यक्रम को शानदार रूप से सफल बनाने में छात्रों के प्रयासों की सराहना की गई। प्रिंसिपल श्रीमती वृंदा कुलकर्णी ने कहा कि ₹यह प्रतियोगिता युवा पीढ़ी की असीम क्षमता और रचनात्मकता को दशार्ती है। इस तरह के आयोजन छात्रों में टीमवर्क, आत्म-अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक प्रशंसा को प्रोत्साहित करते हैं।

उन्होंने इस तरह के शानदार आयोजन के लिए दीप कैंपस बोईसर की चेयरपर्सन डॉ. दीपा संखे के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन सभी कलाकारों के लिए तालियों की गड़गड़ाहट के साथ हुआ। इस कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी दर्शक मंत्रमुग्ध नजर आए।

आमदार स्नेहा दुबे का जन्मदिन मनाया गया

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। वसई विधानसभा आमदार स्नेहा दुबे पंडित का जन्मदिन वसई रोड उन्नति हाल के पास मनाया गया। जिसमें, जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील, वसई मंडल अध्यक्ष महेश सरवनकर, महाराष्ट्र केरल प्रकोष्ठ उत्तम कुमार, उदय शेट्टी, अभय कक्कड़, अशोक शैलक प्रदेश युवा मोर्चा सचिव, केतन गांधी सोशल मीडिया अध्यक्ष, मनोज पाटिल विधानसभा प्रमुख, अर्जुन इंगोले, दीपक शर्मा, चेतन पगी, बाला सावंत, लवली शर्मा, मनोज शर्मा सभी कार्यकर्ता, पदाधिकारी व प्रशंसक उपस्थित थे। आमदार स्नेहा दुबे में सुबह मंदिर दर्शन करके समुद्र किनारे बीच पर बीच सफाई करवाया। पूरा दिन विशेष कार्यक्रम में जाकर अपना जन्मदिन मनाया।

अटल खेल महोत्सव अंतर्गत कबड्डी प्रतियोगिता संपन्न

विजेताओं को जनसेवक गोपाल शेट्टी ने किया पुरस्कृत

कांदिवली, मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतरत्न अटलबिहारी वाजपेयी जन्म शताब्दी सन्मान सप्ताह के दौरान गौरवशाली आयोजनों की कड़ी में स्व. प्रमोद महाजन क्रीडांगण में हो रहे ₹अटल खेल महोत्सव₹ का आयोजन उत्तर मुम्बई ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण मुम्बई के लिए प्रेरणा और गौरव का स्थान बना हुआ है। उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी की संकल्पना से आकार लेकर दिनोंदिन इस खेल महोत्सव के दौरान हो रही विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों और विशेषतः युवा वर्ग में अतिरिक्त ऊर्जा, जोश और आकर्षण का संचार कर रहीं हैं। पोईसर जिमखाना के प्रयासों से खेल प्रतियोगिताएं पूरे अनुशासन में सम्पन्न हो रही हैं। इन्ही प्रतियोगिताओं में से एक कबड्डी प्रतियोगिता सबके आकर्षण का केंद्र

बनी रही। महिला कबड्डी खिलाड़ियों ने भी अपने हुनर और उत्कृष्ट खेल से कबड्डी प्रतियोगिता से वहां आनेवाले दर्शकों का न सिर्फ दिल जीता बल्कि यह भी जता दिया कि नारी शक्ति को योग्य मौका और समर्थन मिले तो वह प्रगति में पुरुष खिलाड़ियों से रंच मात्र भी पीछे नहीं है। पूर्व सांसद जनसेवक गोपाल शेट्टी और पोईसर जिमखाना ने वही मौका नारी शक्ति को दिया था और फिर महिलाओं की कबड्डी प्रतियोगिता ने क्रीडांगण में इतिहास रच दिया।

कबड्डी प्रतियोगिता में विजयी महिला कबड्डी टीमों तथा पुरुष टीमों को पुरस्कृत करने के लिए शुक्रवार को पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में विजेता टीमों को पुरस्कृत तो किया ही गया , हर खिलाड़ी को जनसेवक गोपाल शेट्टी ने प्रोत्साहन राशि देते हुए खिलाड़ियों की प्रतिभा को सम्मान प्रदान किया। पुरस्कार वितरण समारोह में जनसेवक गोपाल शेट्टी, जिलाध्यक्ष गणेश खणकर, मोहन भंडारी, करुणाकर शेट्टी तथा गणेश बारे सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

डॉ .पंजाबराव देशमुख समाजरत्न पुरस्कार 2024 से साजिदा शेख सम्मानित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के आदिवासी बहुल मोखाड़ा क्षेत्र की प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ती साजिदा अल्ताफ शेख को डॉ. पंजाबराव देशमुख समाजरत्न पुरस्कार 2024 से नवाजा गया। महाराष्ट्र प्रदेश के नासिक जिले में गंगापुर रोड स्थित राव साहेब थोरात सभागृह में शुक्रवार 27 दिसंबर 2024 को आमची माती आमची माणसं (किसानों के न्याय के लिए लड़ने वाली संघटना) जय किसान फार्मर्स फोरम के तत्वावधान में तथा भारत के पहले कृषि मंत्री डॉ. पंजाबराव देशमुख के 126वीं जयंती के मौके पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान साजिदा अल्ताफ शेख को डॉ. पंजाबराव देशमुख

समाजरत्न पुरस्कार 2024 से नवाजा गया। साजिदा शेख द्वारा कृषि एवं उससे संबंधित क्षेत्र के विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य हेतु उन्हें डॉ. पंजाबराव देशमुख समाजरत्न पुरस्कार 2024 देकर सम्मानित किया गया। आमची माती आमची माणसं के संपादक व जय किसान फार्मर्स फोरम के संस्थापक प्रा. डॉ. संजय जाधव के हस्ताक्षर युक्त प्रमाण पत्र देकर साजिदा शेख को सम्मानित किया गया।

साजिदा शेख को डॉ. पंजाबराव देशमुख समाजरत्न पुरस्कार 2024 से सम्मानित किए जाने पर वरिष्ठ समाजसेवी मोईज शेख समेत अनेक शुभचिंतकों ने बधाई एवं शुभकामनाएं भेट की हैं।

गीता का मकसद है, परमात्मा, आत्मा, और सृष्टि विधान के बारे में ज्ञान देना

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सभी समस्याओं का समाधान श्रीमद् भागवत में निहित है। गीता की विशेषताओं को उजागर करते हुए शंकराचार्य स्वामी नारायणानंद तीर्थ महाराज ने कहा कि वेदांत का सिद्धांत हमें आत्मा से उल्लसित रहने और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करने का संदेश देता है।

भगवद गीता हमें पवित्रता, शक्ति, अनुशासन, ईमानदारी, दयालुता और निष्ठा के साथ जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित करती है। इस तरह हम अपना उद्देश्य पा सकते हैं और उसे पूरी तरह से जी सकते हैं। गीता का मकसद है, परमात्मा, आत्मा, और सृष्टि विधान के बारे में ज्ञान देना। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को धर्म, कर्म, भक्ति, ज्ञान, और योग के बारे में बताया है। गीता का मकसद है, जीवन की कठिनाइयों से उबरने और सही मार्ग पर चलने के लिए मार्गदर्शन देना। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने बताया है कि जीवन का अंतिम लक्ष्य मोक्ष

(मुक्ति) प्राप्त करना है। गीता में बताया गया है कि काम विकार हमारा महाशत्रु है और इस पर ज्ञान की तलवार से जीत हासिल करनी चाहिए। गीता में बताया गया है कि कर्म आपके हाथ में है, परिणाम नहीं और गीता में बताया गया है कि क्रोध मनुष्य का सबसे बड़ा दुश्मन है। महाराज जी ने यह उद्गार डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मैदान, लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स, कांदिवली (पूर्व) में आयोजित श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ के छठे दिन भारी संख्या में उपस्थित भक्तों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

कार्यक्रम के आयोजन में हरिश्चंद्र शुक्ला, एडवोकेट जे. डी. सिंह, एडवोकेट ओ. पी. सिंह, राम मणि मिश्र, डॉ. दिनकर दूबे समेत अन्य प्रमुख व्यक्तियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस कार्यक्रम से जुड़ी जानकारी काशी धर्म पीठ के प्रवक्ता प्रो. डॉ दयानंद तिवारी ने साझा की।

मंत्री गणेश नाइक पीड़िता परिवार से की मुलाकात

आरोपी को मिले कड़ी सजा

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण में नाबालिग से दुष्कर्म कर उसकी हत्या करने वाले हैवान विशाल गवली को न्यायालय ने 2 जनवरी तक पुलिस कस्टडी में रखने का आदेश दिया है। शनिवार को महाराष्ट्र के मंत्री गणेश नाइक ने पीड़िता के परिवार से मुलाकात कर उनसे हमदर्दी जताई। मुलाकात के उपरांत मीडिया से बातचीत करते हुए गणेश नाइक ने कहा कि पीड़िता परिवार को न्याय दिलाने के लिए हमारी सरकार उनके साथ है। उन्होंने कहा कि यह मुकदमा फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाकर आरोपी को फांसी की सजा दी जानी चाहिए। इस तरहका जघन्य अपराध करने वाले आरोपी के बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि मासूम बच्ची की जान तो चली गई, जो वापस नहीं

आएगी, लेकिन आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा मिलना ही पीड़िता और उसके परिवार के लिए न्याय देना होगा। इस मैके पर विधायक सुलभा गायकवाड़, शहर प्रमुख नीलेश शिंदे, अभिमन्यु गायकवाड़, राजू उजगरे, सहित अनेकों लोग उपस्थित थे।

महाराष्ट्र एटीएस ने अवैध रूप से रहने के आरोप में 16 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया

मुंबई। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने भारत में अवैध रूप से घुसने और वैध दस्तावेजों के बिना रहने के आरोप में छह महिलाओं सहित 16 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों ने बताया कि एटीएस द्वारा शुरू किए गए विशेष अभियान के दौरान इन लोगों को गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने कहा, नवी मुंबई, ठाणे और सोलापुर में पुलिस की मदद से पिछले 24 घंटे में कार्रवाई की गई। हमने सात पुरुषों और छह महिलाओं को गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ विदेशी अधिनियम और अन्य प्रासंगिक कानूनों के तहत तीन मामले दर्ज किए गए हैं।

उन्होंने कहा, इन बांग्लादेशी नागरिकों ने फर्जी दस्तावेजों का उपयोग करके किसी तरह आधार कार्ड जैसे भारतीय दस्तावेज हासिल कर लिए थे। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि एटीएस और पुलिस के संयुक्त दस्ते ने शुक्रवार रात जालना जिले से तीन बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया।

आरोपी भोकरदन तालुका में क्रशर मशीनों पर काम कर रहे थे। एटीएस और स्थानीय पुलिस के संयुक्त अभियान के दौरान उन्हें अनवा और कुंभारी गांवों से गिरफ्तार किया गया।

प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि तीनों ने फर्जी पहचान पत्र बनवाए थे ताकि वे भारत में अवैध रूप से काम कर सकें। पुलिस अधिकारी ने बताया कि वे पिछले दो साल से अवैध रूप से रह रहे थे। भारतीय न्याय संहिता और विदेशी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

अधिवक्ता को जहरीला पदार्थ पिलाकर मारने वाले मुकदमे में 6 वांछित अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

रियाजुल हक क्राइम रिपोर्टर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन थानाध्यक्ष दिव्य प्रकाश सिंह मय हमराह का0 अजय कुमार यादव ,का0 आकाश निषाद, हे0का0 फूल कुमार द्विवेदी,कां0 प्रेमचन्द की सहायता से मु0अ0सं0-380/2024 धारा 191(2)/115 (2)/ 123/103 (1) बी0एन0एस0 थाना खुटहन जनपद जौनपुर से सम्बन्धित 6 नफर वाछिंत अभियुक्तगण 1.नीरज सिंह पुत्र सावले सिंह निवासी ग्राम खुटहन थाना खुटहन जनपद जौनपुर 2. पंकज सिंह पुत्र सावले सिंह निवासी खुटहन थाना खुटहन जनपद जौनपुर 3.अजय सिंह पुत्र फुन्नन सिंह निवासी खुटहन थाना खुटहन जनपद जौनपुर 4. साँवले सिंह पुत्र स्व0 राम सुन्दर सिंह निवासी खुटहन थाना खुटहन जनपद जौनपुर 5. रितिक सिंह पुत्र अरबिन्द सिंह निवासी खुटहन थाना खुटहन जनपद जौनपुर दिनांक 27.12.2024 को पिलकिछा तिराहा के पास थाना खुटहन जनपद जौनपुर से नियमानुसार गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्त 6.युवराज सिंह पुत्र राजकुमार सिंह ग्राम राजधरपुर थाना सरपतहा हाल पता खुटहन उचैना थाना खुटहन जनपद जौनपुर को आज दिनांक 28.12.2024 को गौसपुर तिराहे के पास थाना खुटहन जनपद जौनपुर से नियमानुसार गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण उपरोक्त के विरूद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है।

आधार कार्ड के नाम पर भोली-भाली जनता की जेब में डाला जा रहा डाका

- निजी आधार केंद्रों पर मनमानी वसूली से त्रस्त है लोग
- मजबूरी का फायदा उठाकर कर रहे है कई गुना वसूली

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। आधार कार्ड बनवाने के नाम पर भोली-भाली जनता से मनमानी धन उगाही की जा रही है। इसके खिलाफ कार्यवाई न होने से निजी केंद्रों की मनमानी इस कदर बढ़ती जा रही है की निर्धारित फीस से लगभग छह से सात गुना अधिक वसूली कर रहे है। बेचारी जनता मजबूर होकर देने के लिए विवश है। पैसा देने के बाद भी कई बार दौड़ाने के बाद किसी तरह से काम होता पाता है। आधार कार्ड बनाने, उसमें संसोधन कराने के लिए ठण्ड में लोग सुबह से केंद पर भीड़ लग जाती है। शाम तक बड़ी मशक्कत के बाद काम हो पाता है। इसके पीछे का कारण यह बताया जा रहा है कि नियमित रूप से न तो स्थानीय डाकघर न ही बैंक में आधार कार्ड बनना बताया जा रहा हैं। जिसका नाजायज फायदा निजी आधार केन्द्र वाले उठा रहे है। विदित हो कि सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं को पारदर्शी तरीके से धरातल पर उतारने के लिए बायोमैट्रिक व आधार कार्ड से लिंक करा रही है। जिससे पात्र व्यक्ति को लाभ मिल सके। आय, जाति, निवास प्रमाण-पत्र भी बिना आधार कार्ड के बिना बन रहा है। ऐसे में जिन लोगों के आधार कार्ड में नाम, जन्मतिथि व पता आदि का संशोधन कराने के लिए डाकघरों व बैंको को अधिकृत किया गया है। इस बाबत लोगों का कहना है कि उक्त संस्थान पर नियमित रूप से आधार कार्ड व संशोधन आदि कार्य न होने के कारण पैसे की लालच में चन्द लोगों द्वारा नगर क्षेत्र व आस-पास की छोटी-बड़ी बाजारों में चोरी-छिपे खोलें गए निजी आधार केंद्र पर आसानी से बन जाता है जहाँ पर आधार कार्ड पर जन्मतिथि, पता, पति का नाम, बायोमैट्रिक इत्यादि कार्य जहाँ निर्धारित शुल्क से कई गुना अधिक की वसूली की जाती है। एक पीड़ित ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि डाकघर में पता किया तो पता चला कि आधार कार्ड नहीं बन रहा है और

न ही क्षेत्र के किसी बैंक में बन रहा है। खेतासराय कस्बा व आस-पास के ग्रामीण इलाकों में कुछ निजी केंद्र खोलकर उक्त कार्य कर रहे है। पीड़ित ने बताया कि निजी आधार केन्द्र पर सुबह से शाम तक जी-हुजूरी करने के बाद किसी तरह संशोधन होता है। वह भी एक आधार कार्ड पर बायोमैट्रिक के लिए 500 से 1000 की वसूली की जा रही है। जबकि इसकी निर्धारित शुल्क 100 रुपये बतायी जा रही है। लोग मजबूर होकर करा रहे है। जिसका फायदा निजी आधार केंद्र वाले जमकर उठा रहे है। बेचारी भोली-भाली जनता विवश होकर दे रही है। जानकार यह भी बताते है निजी आधार कार्ड केंद्रों की हालत यह है कि सुबह लेकर शाम तक भीड़ लगी रहती है। ग्राहकों को एक निर्धारित तिथि और समय बता दिया जाता है। उसी समय धीरे से पर्दे के पीछे यह कारनामा किया जा रहा है। ऐसे में धक्का-मुक्की और कभी-कभी मारपीट की स्थिति बन जाती है। कभी-कभी पैसे देने के बाद भी काम नहीं होता पाता है। जिससे क्षेत्रवासियों में काफी रोष व्याप्त है। ऐसे में यह जनता सरकार को कोस रही है कि दुनिया का काम-धाम छोड़कर आधार बनवाने, संशोधन कराने के लिए पूरा दिन चला जाता है और काम भी नहीं हो पाता है ।ऊपर से इतना पैसा लिया जाता है। इस ओर कोई जिम्मेदार अधिकारी न तो ध्यान दे रहा है न ही कोई कार्यवाही कर रही है। इस सबन्ध में उपजिलाधिकारी शाहगंज राजेश चौरसिया ने बताया कि मनमानी वसूली अनैतिक है ।जाँच कराकर ऐसे लोगों के खिलाफ कार्यवाई की जाएगी। डाक अधीक्षक जौनपुर आर.के. चौहान का कहना है कि डाकघर और बैंक आधार बनाने व संशोधन करने के लिए अधिकृत है। यदि निर्धारित शुल्क से अधिक वसूली की जा रही है तो सरासर गलत है। ऐसा नहीं करना चाहिए, एक सवाल में जवाब में बताया कि निजी आधार केंद्रों पर कैसे और किस तरह आधार कार्ड बनाएं जा रहे यह मुझे नहीं पता है। हो सकता कि यूआईडीएआई ने उन्हें अधिकृत किया हो, इसकी जाँच की जाएगी दोषी पाएं जाने पर कार्यवाई की जाएगी।

जफरबाद पुलिस टीम ने आत्महत्या के लिए प्रेरित करने वाले 2 वांछित अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डॉ0 कौस्तुभ, पुलिस कप्तान जौनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक जफराबाद के कुशल नेतृत्व में जफराबाद पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 273/2024 धारा 108 इठर से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त संतोष कुमार पुत्र स्व0ओम प्रकाश नि0 खरसोमा थाना गोसाईगंज जनपद सुल्तानपुर अस्थाई पता मो0नासही कस्बा जफराबाद थान जफराबाद जौनपुर उम्र 42 वर्ष को मुखबीर खास की सूचना पर जफराबाद रेलेव क्रासिंग से समय 13.45 बजे व अभियुक्ता ऊषा देवी पत्नी स्व0ओम प्रकाश नि0नासहि थाना जफराबाद जौनपुर को अभियुक्त संतोष कुमार उपरोक्त की सूचना पर घर से समय करीब 14.00 बजे गिरफ्तार कर हिरासत पुलिस लेकर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त/अभियुक्ता का विवरण, 1. संतोष कुमार पुत्र स्व0ओम प्रकाश नि0 खरसोमा थाना गोसाईगंज जनपद सुल्तानपुर अस्थाई पता मो0नासही कस्बा जफराबाद थान जफराबाद जौनपुर उम्र 42 वर्ष 2. ऊषा देवी पत्नी स्व0ओम प्रकाश नि0नासही थाना जफराबाद जौनपुर।

खेतासराय पुलिस ने 3 बछड़ों के साथ दो पशु तस्करों को गिरफ्तार करने का किया दावा

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय के ग्राम अमरेथुआ में मुखबीर खास की सूचना पर गौ तस्करी /बध हेतु चौसा (बिहार) ले जा रहे 2 गौ तस्कर अभियुक्तगण क्रमशः1-सतीश उर्फ मस्त्री पुत्र मिन्टू निवासी बरंगी थाना खेतासराय जनपद जौनपुर उम्र करीब 26 वर्ष,2- अलीजान पुत्र स्व0 गेना अहमद निवासी नुरूद्दीनपुर (बरंगी) थाना खेतासराय जनपद जौनपुर उम्र करीब 50 वर्ष को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 3 राशि पशु (बछडे) को बरामद किया गया।जिसके आधार पर थाना स्थानीय मु0अ0सं0-270/2024 धारा 3/5ए/8 गौ हत्या निवारण अधिनिय व 11 पशु क्रूरता अधिनियम पंजीकृत कर गिरफ्तार शुदा अभियुक्तगण को नियानुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुये मा न्यायालय रवाना किया गया।

मिजार्मुराद थाना क्षेत्र के खजुरी पुलिस क्षेत्र में 24 घंटे के अंदर मोबाइल छिनैती की तीसरी घटना

दहशत में आम जन-मानस

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में मोबाइल छिनैती रुकने का नाम नहीं ले रही। पहली घटना गुरुवार की दोपहर खजुरी गांव निवासिनी महिला सरोजा देवी अपनी पुत्री के साथ घर जा रही थी बाइक सवार दो बदमाश मोबाइल छीनकर भाग निकले। पीड़िता के पति से खजुरी पुलिस गुमशुदगी की तहरीर लेकर मोबाइल मिलने का आश्वासन देकर भेज दिया। दूसरी घटना गुरुवार की देर शाम हुआ खजुरी ओवरब्रिज पर एक बाइक पर सवार होकर आए तीन बदमाशों ने गाजीपुर जिले के सैदपुर थाना क्षेत्र के भीमा पथ गांव निवासी मोहम्मद सलमान की मोबाइल छीनकर रिंग रोड की तरफ भाग निकले। पीड़ित मिर्जापुर से वापस घर जा रहा था।खजुरी पुलिस मोबाइल मिलने का आश्वासन देकर पीड़ित से गुमशुदगी की तहरीर लेकर गुमशुदगी दर्ज कर ली। तीसरी घटना शुक्रवार को दोपहर खजुरी पुलिस चौकी क्षेत्र के भिखारीपुर गांव के सामने हाइवे पर हुआ मिर्जापुर जिले के चुनार थाना क्षेत्र के सरैय्या निवासी तुषार मिश्रा ने बताया कि मेरे मोबाइल पर फोन आया जैसे ही बाइक खड़ी कर फोन उठाना चाहा पीछे से आए बाइक सवार तीन बदमाश मोबाइल छीनकर राजातालाब की तरफ भाग निकले।पीड़ित को खजुरी पुलिस मोबाइल जल्द मिलने का आश्वासन देकर गुमशुदगी दर्ज कर ली।

न्यायमूर्ति नरेन्द्र कुमार जौहरी का जौनपुर आगमन 3 जनवरी को

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। न्यायमूर्ति नरेन्द्र कुमार जौहरी का आगमन 3 जनवरी 2025 को जौनपुर हो रहा हैं न्यायमूर्ति लखनऊ से जौनपुर आयेंगे और दीवानी न्यायालय अधिवक्ता संघ जौनपुर द्वारा आयोजित वरिष्ठ अधिवक्ता स्व संतोष कुमार श्रीवास्तव संतोषी बाबू के पुण्य तिथि पर आयोजित सेमिनार त्वरित न्याय में न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका एवं अधिवक्ता की भूमिका नामक सेमिनार में भाग लेंगे। उक्त आशय की जानकारी अधिवक्ता संघ जौनपुर के अध्यक्ष सुभाष चंद्र यादव, मंत्री रणबहादुर यादव, कार्यक्रम संयोजक राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट ने संयुक्त रूप से दिया।

फंदे से लटकती मिली युवती की लाश, भाई को छत पर भेज लगाया मौत को गले, मचा कोहराम

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के सारनाथ के छाहीं गांव में कमरे में फंदा लगाकर युवती की आत्महत्या करने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शनिवार की सुबह लगभग करीब नौ बजे छाहीं गांव में सारनाथ स्थित महाबोधि इंटर कॉलेज के कर्मचारी स्वर्गीय गोपाल वाल्मीकि की पुत्री छाया (24) ने अपने कमरे में पंखे पर गमछा और दुपट्टे का फंदा लगा आत्महत्या कर ली। मृतका के भाई कृष्ण वाल्मीकि ने बताया कि मैं अपने फुफेरे भाई सत्यम को सुबह लगभग पौने आठ बजे बीएचयू छोड़ने गया था। उससे पहले छाया दीदी ने हम लोग के लिए नाश्ता बनाया था। साथ में नाश्ता खाया भी था। नाश्ता करने के बाद मैं और कृष्णा घर से निकल गए थे। घर पर दीदी व छोटा भाई शांतनु था। शांतनु ने बताया कि सुबह चाय पीने के बाद दीदी ने मुझे छत पर नहाने के लिए भेज दिया और खुद बोली कि मैं नीचे वाले बाथरूम में नहाउंगी। लगभग 15 मिनट के बाद जब मैं नीचे आया तो दीदी को पुकार लगाने लगा लेकिन वह किसी कमरे में नहीं मिली। सामने वाले कमरे में खिड़की से देखा तो दीदी फंदे से लटकी हुई थी। दरवाजे का कुंडी बाहर से बंद थी। मैं कुंडी खोलकर कमरे में गया। उसके बाद अपने भाइयों को इस घटना की सूचना दी।

समाजसेविका की पुण्यतिथि पर बच्चों को बांटे गए स्वेटर

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शुक्रवार शाम को नव जागरण कल्याण सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष निशु केशरी ने अपनी माता की तीसरी पुण्यतिथि पर एक निःशुल्क पाठशाला में बच्चों को स्वेटर और शिक्षिकाओं को शाल प्रदान किया। कस्बे के गुड़हाई मोहल्ला स्थित निःशुल्क पाठशाला में शुक्रवार को अपनी माता की पुण्यतिथि पर नव जागरण कल्याण सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष व नगर व्यापार मंडल संगठन मंत्री निशु केशरी के बड़े भ्राता निश्चल केशरी (सोनू) के द्वारा बच्चों को स्वेटर और शिक्षिकाओं को शाल प्रदान किया गया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि भगवान स्वरूप बच्चों की सेवा कर समझूंगा की अपनी माता की सेवा की। हम सभी को चाहिए की जब भी कोई अवसर आए तो निस्वार्थ भाव से लोगों की सेवा करें। यही मेरा उद्देश्य है। वहीं निःशुल्क पाठशाला संस्थापक/संचालक सूरज विश्वकर्मा ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी भावनाएं ही लोगों को नर से नारायण की ओर ले जाती है एवम् जरूरतमंदों, असहायों और वंचितों की सेवा करना बहुत ही पुनीत कार्य है। इससे समाज में बदलाव होगा और लोग बेहतर इंसान बनने का प्रयास करेंगे।

अजय कुमार अंबिष्ट ने जौनपुर के नए सीआरओ के रूप में किया पदभार ग्रहण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।शासन ने मेरठ में रहे उप आवास आयुक्त अजय कुमार अंबिष्ट को जिले का नया सी.आर.ओ. नियुक्त किया है जिन्होंने आज यह पहुंचा कर अपना पद भार ग्रहण करने के बाद कहा कि शासन द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का शत प्रतिशत क्रियान्वयन होगा।पीड़ितों की समस्या का त्वरित निस्तारण किया जाएगा तथा किसी भी दशा में लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी।

क्षेत्राधिकारी की अध्यक्षता में थाना दिवस संपन्न

धर्मेंद्र कुमार शर्मा

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली परिसर में शनिवार को आयोजित थाना समाधान दिवस क्षेत्राधिकारी प्रतिमा वर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए कुल 15 फरियादियों ने अपनी-अपनी जन समस्याओं को क्षेत्राधिकारी प्रतिमा वर्मा के समक्ष रखा। वही मौके पर एक शिकायती पत्र का निस्तारण करते हुए, अन्य फरियादियों की समस्याओं को संबंधित राजस्व तथा पुलिस अधिकारियों को निस्तारण करने हेतु निर्देश दिए। पूछे जाने पर क्षेत्राधिकार द्वारा बताया गया कि ज्यादातर शिकायती पत्र जमीनी विवाद से संबंधित देखने को मिले। उक्त मौके पर प्रभारी निरीक्षक गजानन्द चौबे सहित राजस्व विभाग के अधिकारी और लेखपाल गण मौजूद रहे।

ट्रक के नीचे आने से 15 साल के बालक की दर्दनाक मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के जमालपुर ग्राम निवासी संजय मौर्य का 15 साल का पुत्र अंश मौर्य आज शनिवार की सुबह ट्रक की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना के अनुसार आज लगभग 11:00 बजे दिन मे अंश अपने चाचा राकेश मौर्य को साइकिल से खाना पहुंचाने के लिए चाचा के गाड़ी गैराज में जमालपुर बाजार जा रहा था कि जौनपुर की तरफ से आ रही एक ट्रक के टायर के नीचे आ गया जहां पर उसकी दबने से मृत्यु हो गई। सूचना पर पहुंचे उसके चाचा उसको आनन फानन में टेम्पो से उसके जिला चिकित्सालय लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने देखते ही उसको मृत घोषित कर दिया। अंश मौर्य अपनी माता पिता का एकलौता बेटा था ।दुर्घटना करने वाला ट्रक भी ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने पकड़ लिया है मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण के लिए भेज दिया है।

थाना समाधान दिवस का हुआ आयोजन, चार प्रार्थना पत्रों में दो का हुआ निस्तारण

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कोतवाली परिसर में सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस का आयोजन तहसीलदार आशीष कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

जिसमें फरियादियों ने कुल चार प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। मौके पर दो का निस्तारण किया गया। सभी प्रार्थना पत्र राजस्व विभाग से संबंधित थे। शेष प्रार्थना पत्रों को सम्बंधित विभाग को सौंप दिया गया। इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक अजीत सिंह चौहान, कोतवाली निरीक्षक दीपेन्द्र सिंह, वरिष्ठ उपनिरीक्षक संतोष कुमार शुक्ला, उपनिरीक्षक अशोक कुमार सिंह, सैयद हसन रिजवी, प्रद्युम्न मणि त्रिपाठी, चौकी प्रभारी सुनील कुमार, अजय सिंह समेत राजस्व कर्मी मौजूद रहे।

घायल बिजली कर्मी की मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सिकरारा थाना क्षेत्र के लखेसर गांव के पंकज यादव उम्र 27 वर्ष बिजली बनाने का कार्य करते थे। शुक्रवार की रात में क्षेत्र के सोनपुरा गांव में एक भट्ठे पर बिजली ठीक करने के लिए छत पर चढ़े थे, उसी समय छत की पटिया टूट कर नीचे गिर गई। जिससे पंकज बुरी तरह से घायल हो गए। परिवार के लोग लेकर जिला अस्पताल गए, जहा से ट्रामा सेंटर वाराणसी ले गए जहा इलाज के दौरान भोर में निधन हो गया। शव सुबह दस बजे घर आते ही कोहराम मच गया। मृतक पंकज निजी लाइनमैन थे और गांव में लोगों का बिजली ठीक करने का काम करते थे 2 वर्ष पूर्व दिन की शादी हुई थी अभी इनका कोई संतान नहीं थी।

मशरूम की खेती से किसानों की आय होगी दोगुनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी ने अवगत कराया है कि उद्यान विभाग द्वारा संचालित पी0एम-एफ0एम0ई एवं एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत नवाचार की ओर कदम बढ़ाते हुए जनपद में मशरूम की खेती व प्रोसेसिंग शुरू हो गयी है जनपद के विकास खंड-खुटहन ग्राम घिरौली नानकार के दिनेश चंद यादव पुत्र भारत यादव द्वारा मशरूम की खेती की गयी है।इसके अतिरिक्त बक्शा, सुजानगंज, मछलीशहर, मुफ्तीगंज में भी मशरूम यूनिट चलायी जा रही है। दिनेश द्वारा मशरूम ग्रोइंग यूनिट लगाई गयी है जिसमे 60 से 65 दिन मे मशरूम तैयार हो जाता है दिनेश द्वारा बताया गया कि मै एक आम किसान हूँ और मै पारम्परिक कृषि करता था, मुझे कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी द्वारा जानकारी मिली कि उद्यान विभाग में चल रही पी0एम0एफ0एम0ई0 योजना के अन्तर्गत मशरूम उद्योग के लिए सुविधा उपलब्ध है। जिसमे 35 प्रतिशत अधिकतम 10 लाख तक की सब्सिडी एवं एम0आई0डी0एच0 अन्तर्गत 40 प्रतिशत सब्सिडी देय है जिसमें उद्यमी को अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है। पूरी जानकारी प्राप्त कर मैने आनलाइन पंजीयन उद्यान विभाग में पी0एम0एफ0एम0ई0 योजना के अन्तर्गत मशरूम उद्योग के लिए कराया। प्रारम्भिक पूजी के रूप में मैने 10 लाख रू0 स्वयं से उद्योग में लगाया तथा पी0एम0एफ0एम0ई0 योजना के अन्तर्गत कैपिटल सब्सिडी के रूप में 3.5 लाख रू0 प्राप्त हुआ। उद्योग लगाने के पश्चात 01 से 1.5 लाख रू0 का प्रति माह शुद्ध लाभ प्राप्त हो रहा है। मशरूम में विटामीन बी, विटामीन डी, पोटेशियम कापर, आयरन, और सेलेनियम जैसे पोषक तत्व पाये जाते है मशरूम मे मौजूद विटामिन डी हड्डियों को मजूबत बनाता है एवं सेलेनियम इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाता है मशरूम मे मौजूद एंटीआक्सीडेंट बढ़ती उम्र के लक्षणो को कम करने और वजन घटाने मे मदद करते है मशरूम का उपयोग मिड-डे मिल/ हर घर मे सब्जी के रूप मे भी किया जा रहा है और इसकी डिमांड बहुत अधिक आ रही है। मशरूम उद्यम के रूपं मे एक किसान को उद्यमी बनाने का अच्छा विकल्प है उद्यान विभाग मे पी0एम0एफ0एम0ई0/ एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना संचालित है और यह योजना उद्यमियों के लिए अत्यन्त लाभकारी साबित हो रही है। किसान भाईयों से अपील है कि अधिक से अधिक लोग विभाग से जुड़कर मशरूम ग्रोइंग यूनिट, काम्पोस्ट मेंकिग यूनिट,स्पॉन प्रोडक्शन यूनिट तथा मशरूम की प्रोसेसिग यूनिट लगाने हेतु कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी जौनपुर से किसी भी कार्य दिवस मे सर्म्पक कर सकते है।

सहकारिता से पत्रकारिता तक बाबू भूलन सिंह ने मनवाया लोहा

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के बड़ागांव ग्राम निकले बाबू भूलन सिंह ने सहकारिता जगत से लेकर राजनीति व अखबार की दुनिया में जो मिसाल कायम की है वह आज भी 'मील का पत्थर' है। अपनी बेबाकी, ईमानदारी व अक्खड़ मिजाज के लिए बाबू भूलन सिंह जितने जाने व पहचाने जाते थे उससे कहीं अधिक उनकी कर्तव्यनिष्ठा लोगों को प्रभावित करती थी। सभी के दिलों पर राज करने वाले समय के पाबंद बाबू साहब ने सहकारिता से लेकर अखबार जगत में न केवल अपना प्रभाव छोड़ा बल्कि सैकड़ों लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर उनके जीवन को सुखमय बनाने जैसा महत्वूपर्ण कार्य किया। साधारण वेशभूषा (धोती-कुर्ता) में जीवन व्यतित करने वाले बाबू साहब ने कभी किसी के आगे झुकना पसंद नहीं किया। हर क्षेत्र में कर्मयोद्धा बन उन्होंने अपना लोहा मनवाया। सहकारिता के क्षेत्र में उन्होंने जहां देश स्तर की राजनीति चाजनीति पर बड़ी-बड़ी हस्तियां करती थी चर्चा बेबाकी व कर्तव्यनिष्ठा के सभी होते थे कायल 31वीं पुण्यतिथि आज पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चंद्रशेखर, नारायण दत्त तिवारी, स्व. कल्पनाथ राय से लगायत वर्तमान में रक्षामंत्री राजनाथ की वहीं पूर्वांचल में उनकी इच्छा के बिना एक पत्ता भी नहीं हिलता था। उनकी अक्खड़ मिजाजी ने राजनीति में उन्हें अलग ही पहचान दी थी।इस कारण भी वे सभी के प्रिय थे। कांग्रेस की ओर झुकाव होने के कारण शीर्ष नेतृत्व भी उनका सम्मान करता था। उन्होंने जो चाहा व कर दिखाया औरंगाबाद हाउस से लेकर दिल्ली तक के कई दिग्गज नेता बाबू साहब के साथ समसामयिक राजनीति पर चर्चा करना, उनके साथ समय व्यतीत करना खुद के लिए अपना समझते थे सिंह, प्रभुनारायण सिंह, राजनारायण, राजकुमार राय, रामधन समेत तमाम नेता उनके उनके साथ बैठकर राजनीति पर चर्चा तथा विचार विमर्श करते थे। बहुमुखी प्रतिभा के धनी बाबू भूलन सिंह ने पढ़ाई लिखाई भले कम की थी लेकिन सोचने-समझने व समाज को जागरूक करने की उनके पास अद्भुत क्षमता व प्रतिभा थी। यहीं कारण था कि उन्होंने अखबार के क्षेत्र में भी एक मिसाल कायम किया। उनकी अदम्य इच्छा शक्ति का ही नतीजा रहा कि हिन्दी पत्रकारिता के उन्नयन में उनके योगदान को आज भी भुलाया नहीं जा सकता। उनके मजबूत इरादों का ही कमाल था कि वे कल की चिंता किये बिना ही अखबार प्रकाशन जैसे नये उद्यम में कूद पड़े। इसके प्रति उनकी संजीदगी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि समय के साथ उन्होंने हर वो आधुनिक तकनीकी अपनायी जिसमें वह किसी से पीछे न रहे। अखबार प्रकाशन की श्रृंखला में बाबू साहब ने वर्ष 1991 में पूर्वांचल समेत काशी की मस्ती को खबरों के माध्यम से अवगत कराने के लिए 'काशीवार्ता' का प्रकाशन शुरू किया लेकिन इस बीच वर्ष 1993 में हृदय गति रूक जाने से उनका निधन हो गया। ऐसे में अखबार को चलाने की जिम्मेदारी उनके युवा पौत्रों सुशील सिंह व सुनील सिंह के ह के कंधों पर आ पड़ी। दोनों भाइयों ने अपने दादा जी के सपनों को साकार करने का बीड़ा उठाया और उनके बताये रास्ते पर चलते हुए आगे बढ़ते गये। आज 'काशीवार्ता' न केवल काशी की धड़कन बन चुका है बल्कि प्रगति के सोपान पर यह पूरी मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा हैं। 'काशीवार्ता' न सिर्फ वाराणसी बल्कि पूरे पूर्वांचल का एक अग्रणी सांध्य हिन्दी दैनिक बन चुका है। एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाले बाबू भूलन सिंह का सहकारिता व मीडिया के क्षेत्र में शोहरत की बुलंदियों को छूना निःसंदेह युवा पीढ़ी को हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। ऐसी महान शख्सियत को उनकी 31वीं पुण्यतिथि पर शत्-शत् नमन।

31वीं पुण्यतिथि आज

एनी बेसेंट इंटरनेशनल स्कूल का वार्षिक खेल महोत्सव संपन्न

पटना(उत्तरशक्ति)। एनी बेसेंट इंटरनेशनल स्कूल का वार्षिक खेल महोत्सव 27 और 28 दिसंबर को हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस महोत्सव में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें क्रिकेट, कबड्डी, फुटबॉल, रेस और बैडमिंटन जैसी स्पधाएं शामिल थीं। इन खेलों में विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय प्रवक्ता, जितेंद्र यादव, विद्यालय के चेयरमैन दिलीप सिंह, प्रबंधन प्रमुख आदित्य प्रताप और खेल महोत्सव के संयोजक श्रीकांत कुमार उपस्थित रहे। खेल महोत्सव के दौरान विद्यार्थियों ने न केवल खेल की भावना को प्रस्तुत किया, बल्कि टीम स्पिरिट और सामूहिक कार्यशक्ति का भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। विद्यालय प्रशासन ने सभी विजेताओं को सम्मानित किया और इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी प्रतिभागियों और शिक्षकों का धन्यवाद किया।

तेज रफ्तार ट्रक ने कार में मारी टक्कर,दो की मौत

बाराबंकी (उत्तरशक्ति)। यूपी के बाराबंकी में शनिवार को तेज रफ्तार ट्रक ने स्विफ्ट डिजायर कार में टक्कर मार दी। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से दो ने केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। जबकि, दो अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसा बड्डूपुर थाना क्षेत्र में लखनऊ-महमूदाबाद मार्ग पर हुआ। मूल रूप से बहराइच जिले के हर्दी थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर गांव निवासी राम प्रताप तिवारी (80), उनके पुत्र चुनऊ तिवारी (55), नाती आनंद बाजपेई (55) और नाती के दोस्त नीरज बाजपेई (30) के साथ दवा लेने लखनऊ जा रहे थे। हादसे में चारों लोग घायल हो गए। सागर पब्लिक स्कूल के पास लखनऊ से महमूदाबाद की ओर जा रहे गैस सिलिंडर से लदे ट्रक ने कार में टक्कर मार दी। सूचना पर बड्डूपुर और कुर्सी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को जिला अस्पताल भेजा। स्थिति गंभीर होने पर उन्हें लखनऊ के केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। वहां पर इलाज के दौरान राम प्रताप तिवारी और नीरज बाजपेई की मौत हो गई। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार और ट्रक को हटाकर यातायात बहाल कराया। थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि ट्रक का चालक मौके से फरार हो गया है।

चोरी की पांच बाइकों समेत चार अंतरजनपदीय चोर गिरफ्तार

औरैया (उत्तरशक्ति)। वाहन चेकिंग के दौरान दिबियापुर थाना पुलिस ने अंतरजनपदीय दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उनके पास से दो तमंचे व तीन कारतूस बरामद किए। बदमाशों की निशानदेही पर एक स्थान में छिपाकर रखी गईं चोरी की चार बाइकों को भी बरामद किया। एसपी अभिजित आर शंकर ने खुलासा करते हुए बताया कि दिबियापुर थाना पुलिस नवोदय विद्यालय जाने वाले मार्ग पर वाहन चेकिंग कर रही थी। तभी पुलिस को देख बाइक सवार दो युवक भागने लगे। घेराबंदी कर पकड़ा तो तमंचा, कारतूस और बाइकें बरामद हुईं। पूछताछ में युवकों की पहचान योगेंद्र प्रताप सिंह निवासी गांव सारी थाना सहायल और नितिन कुमार निवासी सेहुद थाना दिबियापुर हाल पता गांव सारी थाना सहायल के रूप में हुई।

आरोपियों ने चोरी की बाइकें पास ही पुआल के ढेर में छिपी रखी थीं। आरोपियों ने बाइकें अछल्दा, बेला और कानपुर देहात से चोरी करने की बात कबूली। बाइकों को औने-पौने दाम पर बेचते थे।

जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य से अनिल गलगली ने लिया आशीर्वाद

मुंबई। तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज से कांदिवली पूर्व स्थित सीए उत्तम अग्रवाल के निवास पर आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली ने आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर तुलसी पीठ के उत्तराधिकारी रामचंद्र दास, जगद्गुरु रामभद्राचार्यजी के सोशल मीडिया निदेशक आशीष तिवारी, पत्रकार अंकित मिश्रा उपस्थित थे।

गंगनहर में कूदकर छात्रा ने किया आत्महत्या का प्रयास

मुजफ्फरनगर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के खतौली में बीसीए की छात्रा ने गंगनहर में कूदकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। कार सवार एक राहगीर ने गंगनहर से बाहर निकालकर उसे डूबने से बचा लिया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई है। सुबह के समय एक छात्रा गंगनहर की पटरी पर पहले तो इधर से उधर घूमती रही। अचानक वह गंगनहर की सीढ़ी के पास जा पहुंची और गंगनहर में कूद गई। यह देखकर आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया। कार में उधर से जा रहे भनवाड़ा निवासी सलीम ने छात्रा को डूबते देखा तो उसने उसे बचा लिया। छात्रा के परिजनों को सूचना दे गई। छात्रा से पुलिस पूछताछ कर रही है। छात्रा शाहपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है।

एटीएम कार्ड बदलकर 17 हजार रुपये निकाले

गोरखपुर। शाहपुर इलाके के एल्युमिनियम फैक्टरी स्थित एटीएम से जालसाज ने महिला का एटीएम कार्ड बदलकर दो बार में 17 हजार रुपये निकाल लिया। महिला की तहरीर पर शाहपुर पुलिस केस दर्ज कर सीसीटीवी कैमरे की मदद से जांच कर रही है। गगहा इलाके सोनबरसा कुसमरा बुजुर्ग निवासी प्रमोद मौर्या शाहपुर के एल्युमिनियम फैक्टरी स्थित आदर्श नगर कॉलोनी में परिवार के साथ किराए के मकान में रहते हैं। प्रमोद की पत्नी माधुरी देवी मंगलवार शाम 6:45 पर एल्युमिनियम फैक्टरी के पास एक एटीएम पर रुपये निकालने के लिए गई थीं। आरोप है कि माधुरी एटीएम कार्ड डालकर पिन डाल रही थीं कि पीछे से एक व्यक्ति आ गया। उसने पिन डालते हुए देख लिया। किसी कारणवश पैसा नहीं निकला तो उस व्यक्ति ने मदद के बहाने चालाकी से कार्ड बदलकर दूसरा दे दिया। पहुंचने पर उनके मोबाइल पर 10 हजार और 7 हजार रुपये निकलने का मैसेज आया है। इसके बाद शाहपुर थाने पहुंच कर एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही हैं।

देश में चल रहे धर्म परिवर्तन को लेकर देवकीनंदन ठाकुर ने जताई चिंता

नवी मुंबई। नवी मुंबई. खारघर में चल रही भागवत कथा के दौरान प्रसिद्ध कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने समाज और धर्म से जुड़े कई संवेदनशील मुद्दों पर बेबाकी से अपनी बात रखी. उन्होंने हिंदू समाज के अधिकारों, सरकारी नीतियों और धर्म की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए. देवकीनंदन ठाकुर ने महाराष्ट्र सरकार की लाडली बहना योजना पर अपनी चिंता जताई. उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से अपील की कि इस योजना का लाभ एक भी अवैध बांग्लादेशी महिला को नहीं मिलना चाहिए. उन्होंने कहा, जिन बांग्लादेशी महिलाओं के भाइयों ने हिंदुओं की हत्याएं की और लगातार तमाम अत्याचार किए उनको हिंदुओं के टैक्स का एक भी पैसा नहीं मिलना चाहिए। हिंदू समाज सबसे ज्यादा टैक्स देता है। इस योजना का पैसा देशहित में लगना चाहिए, न कि उन लोगों पर, जो भारत और हिंदू धर्म के खिलाफ षड्यंत्र रचते है

सनातन बोर्ड के गठन की मांग कथावाचक ने कहा कि जैसे मुस्लिमों के पास वक्फ बोर्ड, सिखों और ईसाइयों के पास उनकी संस्थाएं हैं, वैसे ही सनातन धर्म के लिए भी एक बोर्ड होना चाहिए. उन्होंने कहा, हमें अपने मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करना होगा। सनातन धर्म के चार शंकराचार्य इस बोर्ड का संचालन करें। यह हमारी परंपरा की रक्षा और मंदिरों के दुरुपयोग को रोकने के लिए जरूरी है। मंदिरों से मिलने वाले पैसों को गुरुकुल एवं गरीबों के उत्थान पर खर्च करना चाहिए।

प्रयागराज धर्म संसद में पहुंचे सनातनी

ठाकुर ने कहा कि 27 जनवरी को प्रयागराज के महाकुंभ मेले में सनातन धर्म संसद आयोजित होने जा रही है। उन्होंने सभी सनातनियों और हिंदुओं से इसमें शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा,ये समय है कि हम अपने अधिकारों के लिए एकजुट हों और सरकार को ये बताएं कि हमें अपने मंदिरों और धर्म की रक्षा के लिए सनातन बोर्ड चाहिए।

बांग्लादेशियों को नहीं देनी चाहिए मदद

देवकीनंदन ठाकुर ने बांग्लादेश को चावल और अन्य सहायता भेजने पर सख्त आपत्ति जताई। ठाकुर ने सुझाव दिया कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था में रामायण और भागवत को शामिल किया जाए। उनका कहना था, इससे हर घर को एक मजबूत सनातनी बेटा या बेटी मिल सकेगी, जो धर्म और परंपराओं का पालन करेगी। अगर सनातनी रामायण गीता को पढ़ेगा तो समाज को अच्छे से चलायेगा। देश में चल रहे धर्म परिवर्तन को लेकर जताई चिंता उन्होंने स्कूलों में तिलक लगाकर जाने पर प्रतिबंध लगाने को एक षड्यंत्र करार दिया और पूछा, क्या आज स्कूल धर्म परिवर्तन का अड्डा बनते जा रहे हैं उन्होंने समाज और सरकार दोनों से इस पर जागरूक होने की अपील की।

वक्फ बोर्ड और शिंदे सरकार पर सवाल कथावाचक ने वक्फ बोर्ड को दी जा रही आर्थिक मदद पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, अगर वक्फ बोर्ड को फंड मिल सकता है, तो सनातन बोर्ड को क्यों नहीं? इस फंड का उपयोग गुरुकुल, अस्पताल और गौशालाओं के निर्माण में किया जा सकता है। समाज और सरकार को जागरूक होने की अपील देवकीनंदन ठाकुर के बयान ने सनातन धर्म और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। उन्होंने धर्म और समाज के हित में ठोस कदम उठाने की अपील करते हुए कहा कि हर सनातनी को इन मुद्दों पर जागरूक होना चाहिए।

जगतगुरु नरेंद्राचार्य की उपस्थिति में हजारों जरूरतमंदों को कंबल वितरित

कृपाशंकर सिंह ने की सुरेंद्र उपाध्याय की सराहना

सुलतानपुर। कोइरीपुर क्षेत्र के सलाहपुर गांव में केवली देवी देवीप्रसाद उपाध्याय फाउंडेशन के सौजन्य से समाजसेवी व व्यवसायी सुरेन्द्र उपाध्याय के द्वारा अपनी माँ केवलादेवी की तृतीय पूण्य तिथि पर विशाल निःशुल्क कम्बल वितरण का आयोजन किया । जिसमे मुख्य अतिथि जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती सुमेरु पीठ काशी द्वारा उपस्थित लोगो को सम्बोधित किया गया । उन्होंने सभी सनातनियो को एकता के सूत्र में रहने की नसीहत दी । विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह ने सुरेंद्र उपाध्याय द्वारा कड़ाके की ठंड में अपनी मां की स्मृति में कंबल वितरण कार्यक्रम को प्रेरणादायक बताया। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ल ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से समाज की जरूरतमंद लोगों तक मदद पहुंचती है। कार्यक्रम में मौजूद सम्मानित अतिथियों में पूर्व आईपीयस राम मोहन सिंह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्यामराज सिंह, वरिष्ठ पत्रकार सूर्यप्रकाश मिश्र, एनसीपी के नेता संतोष तिवारी,एड संजय घरत, राजू विश्वकर्मा, भाजपा नेता शिवाकांत मिश्र, डॉ शेषनारायण मिश्र व अन्य को स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेंटकर आयोजक सुरेन्द्र उपाध्याय व वीरेंद्र उपाध्याय ने स्वागत किया । कम्बल वितरण कार्यक्रम में हजारों जरूरतमंद महिला पुरुषो को बकायदा कम्बल वितरण कर भोजन भी कराया गया । कार्यक्रम का कुशल संचालन संस्कृति के विद्वान् पंडित हर्षित उपाध्याय द्वारा किया गया । इस आयोजन में प्रदीप उपाध्याय, दिनेश उपाध्याय, सत्यनारायण तिवारी, हरिगोवन्द ,रमेश गिरि, प्रदीप पाण्डेय प्रधान शिवपुर ,बब्बू उपाध्याय, लालमणि कैलाशनाथ, अरुण कुमार, पवन कुमार शुभम, प्रवीण कुमार आदि लोगो सहित क्षेत्र दर्जनों गाँवो सलाहपुर, शिवपुर, मल्हीपुर, छतौना कला, बैती, सफीपुर, गौरा पठखौली, लौवा आदि गाँवो के निराश्रित महिला ,पुरुष ,दिव्यांग, बुजुर्ग मौजूद रहे ।

तेंदुए के हमले से पांच ग्रामीण जख्मी

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत नेवरिया के मजरा पूरे भट्ठू (खातिलवार) के नाले में मछली मार रहे 12 वर्षीय किशोर व वन कर्मी समेत पांच लोग तेंदुए के हमले में जख्मी हुए हैं। यूपी-मध्य प्रदेश वन व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम दोपहर एक बजे से ही तेंदुए की तलाश कर रही है। पूरे भट्ठू गांव में नाले में दोस्तों के साथ मछली मारने गए सूरज (12) पुत्र पिंटू निवासी खातिलवार थाना जनेह, रीवा मप्र पर तेंदुए ने हमला कर दिया। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंचे लोगों ने उसे मध्य प्रदेश के त्यौंथर चिकित्सालय में भर्ती कराया। इसके बाद ग्रामीणों ने तेंदुए की तलाश शुरू की। तभी तेंदुए ने अचानक हमला कर तीन अन्य लोगों बाबूलाल (60) पुत्र लालची व भैरव (45) पुत्र राम आधार निवासी खातिलवार रीवा व बृजलाल (50) पुत्र हीरालाल निवासी पूरे भट्ठू शंकरगढ़ को जख्मी कर दिया। बृजलाल को प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी शंकरगढ़ लाया गया। जहां से उन्हें घर भेज दिया गया। ग्राम प्रधान नेवरिया अरविंद सिंह ने वन विभाग और शंकरगढ़ पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीम ने तेंदुए की खोजबीन शुरू की। इसी दौरान ग्रामीणों को सरसों के खेत में तेंदुए की हरकत दिखी। वहां पहुंचे वन कर्मी सनी कुमार को तेंदुए ने जख्मी कर दिया। उन्हें इलाज के लिए सीएचसी शंकरगढ़ लाया गया। पुलिस व वन विभाग के कर्मियों ने ड्रोन कैमरे के जरिये खोजबीन शुरू की है। यूपी और मप्र की वन व पुलिस विभाग की टीम संयुक्त रूप से तलाश में जुटी है।

वन क्षेत्राधिकारी शंकरगढ़ अजय कुमार ने बताया की उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश की वन विभाग की संयुक्त टीम रेस्क्यू कर रही है। घटना की जानकारी उच्च अधिकारियों को दी जा चुकी है। जल्द ही तेंदुए को पकड़ लिया जाएगा।

तमंचा और कारतूस के साथ चार चोर गिरफ्तार

आजमगढ़ ।तरवां थाने की पुलिस ने शुक्रवार को चोरी व नकबनजी के कुल चार घटनाओं का खुलासा किया है। पुलिस ने चार आरोपियों की गिरफ्तारी कोटीया खुटहन मोड से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों के पास से पुलिस ने चोरी के सामान और दो तमंचा व कारतूस बरामद किया। पकड़ा गया आरोपी तरवां थाना क्षेत्र के परसूपुर रासेपुर गांव निवासी डिंपू यादव, मेंहनगर थाना क्षेत्र के टोडरपुर गांव निवासी ध्यान यादव, तरवां थाना क्षेत्र के ऐरा कला गांव निवासी डेभा यादव व रासेपुर गांव निवासी विशाल सिंह द्वारा अलग-अलग कुल चोर चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया गया था। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से चोरी गए सामान, चोरी करने के उपकरण, अवैध असलहा और कारतूस बरामद किए हैं।

इसके अलावा, पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक डीसीएम वाहन भी बरामद किया है। पुलिस ने उनके पास से 12 सरिया, एक लोहे की खिड़की, दो टीन, चार साड़ी, तीन जोड़ी पायल, 500 रुपये नकद, दो साड़ी, 600 रुपये नकद, दो साड़ी, दो जोड़ी पायल और 550 रुपये नगद बरामद किए हैं

बिजली ठीक कर रहे प्राइवेट मैकेनिक पंकज यादव की गिरकर मौत

जौनपुर। जनपद जौनपुर सिकरारा क्षेत्र के लखेसर गांव में शुक्रवार को बिजली ठीक करते समय गिरने से घायल मैकेनिक की इलाज के दौरान मौत हो गई।युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। उक्त गांव निवासी तीस वर्षीय पंकज यादव प्राइवेट बिजली बनाने का कार्य करते थे। शुक्रवार की रात पड़ोस के सोनपुरा गांव में एक भट्ठे पर बिजली ठीक करने के लिए छत पर चढ़े थे उसी समय छत की पटिया टूट गई,जिससे वे गिरकर ईट सुखाने के लिए चल रहे हाइड्रोलिक फैन की चपेट में आ गए। जिससे वे गम्भीर रूप से घायल हो गए,आनन फानन में उन्हें शहर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। जहाँ से उन्हें बीएचयू ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। शनिवार भोर उनकी मौत हो गई। शनिवार दोपहर शव घर पहुचते ही रोना पीटना मच गया। मृतक की दो वर्ष पूर्व शादी हुई थी,वह दो भाइयों में छोटा था, बड़े भाई भाई नीरज अधिवक्ता है,उनके पिता जगत नारायण,सूरत के एक मिल में काम करते हैं। सूचना मिलने पर वे फ्लाइट से घर के लिए रवाना हो गए पंकज यादव के निधन से पूरे क्षेत्र मे शोक की लहर दौड़ पड़ी।

ट्रांसफॉर्मर का जंपर जोड़ रहे लाइनमैन की करंट से मौत

अलीगढ़ (उत्तरशक्ति)। अलीगढ़ में लोधा ब्लॉक के गांव हरिदासपुर में 21 दिसंबर दोपहर सवा तीन बजे के करीब ट्रांसफॉर्मर पर जंपर जोड़ते समय अचानक करंट आने से लाइनमैन गंभीर रूप से झुलस गया। आननफानन उसे जेएन मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर नगर निगम के अधिकारी पहुंच गए। घटना के बाद परिवारवालों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बिजली की लाइन का शटडाउन लेने के बाद भी करंट कैसे आया, इसकी जांच की जाएगी। थाना रोरावर ग्राम अमरपुर कोंडला निवासी मुन्ना लाल (50) कई वर्षों से लोधा बिजली घर पर लाइनमैन के पद पर कार्यरत थे। 21 दिसंबर को हरदासपुर से एक फेस बिजली न आने की शिकायत आई। बिजली घर से लाइनमैन मुन्नालाल अपने एक सहकर्मी के साथ उसे सही करने पहुंच गए। वहां पहुंच कर उन्होंने शटडाउन लिया और ट्रांसफॉर्मर पर चढ़ कर जंपर जोड़ना शुरू कर दिया। इसी दौरान अचानक 11 हजार की लाइन में करंट दौड़ गया। करंट लगने से लाइनमैन गंभीर रूप से झुलस कर ट्रांसफॉर्मर में चिपक गया। आननफानन उसे गोल्डन हास्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सक ने जेएन मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज में मुन्ना लाल को चेकअप के दौरान ही चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर एक्सईएन कैलाश चंद्र, एसडीओ सौरभ, जेई संतोष कुमार आदि मौजूद पर पहुंच गए। लोधा बिजली घर पर तैनात लाइनमैन मुन्नालाल की करंट से मौत हो गई है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। परिवार को ढांढस बंधाया गया है। मृतक के परिजनों को मुआवजा दिलाया जाएगा। शटडाउन लेने के बाद भी करंट कैसे आया। इसकी जांच की जाएगी।-कैलाश चंद्र, एक्सईएन डिवीजन ग्रामीण प्रथम। हादसे में बिजली निगम के अधिकारियों की बड़ी लापरवाही प्रथम दृष्टया सामने आ रही है। बिना लॉग सीट के बिजली घर चल रहा था। जबकि इसी लॉग सीट पर उपभोक्ताओं को दी जाने वाली बिजली का पूरा लेखा-जोखा रहता है। साथ ही शटडाउन की पूरी प्रक्रिया होती है। विद्युत उपकेन्द्र लोधा पर 17 दिसम्बर को लॉग सीट भर गयी थी। बिना लॉग सीट के चार दिनों से अधिकारी व कर्मचारी कार्य कर रहे थे। जबकि लॉगसीट पर हर घंटे ट्रांसफार्मर का तापमान और फीडर की रीडिंग नोट किया जाता है। लॉक सीट पर ही शटडाउन लेने की भी प्रक्रिया होती है। इसकी पूरी जिम्मेदारी जेई की होती है। जेई ने लॉग सीट विद्युत उपकेन्द्र लोधा पर नहीं मंगवायी। बिना लॉग सीट के बिजली कर्म चारी काम रहे थे। शटडाउन लॉक सीट में दर्ज होता है। अगर यह लॉग सीट होता तो हो सकता है कि यह घटना नहीं घटती? लॉकसीट नहीं होने की जानकारी मिलती ही बिजली अधिकारी उपकेंद्र की ओर दौड़ पड़े। शाम को पांच बजे नई लॉग सीट मंगाई गई। अधिशासी अभियंता कैलाश चंद्र ने बताया कि सभी बिंदुओं पर जांच कराई जा रही है।

आठवीं पुण्यतिथि पर याद किए गए प्रख्यात शिक्षाविद् लाला शंभू नाथ

औरंगाबाद। प्रख्यात शिक्षाविद एवं पूर्व प्राचार्य लाला शम्भू नाथ की आठवीं पुण्यतिथि मनाई गयी। बारून स्थित आवास पर उपस्थित लोगों ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उनकी जीवनी को याद करते हुए वक्ताओं ने कहा कि लाला शम्भू नाथ का सम्पूर्ण जीवन शिक्षा के प्रति समर्पण और अनुशासन का प्रतीक रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। आज भी मगध तथा शाहाबाद में शिक्षा प्रेमी लाला शम्भू नाथ को ही उदाहरण मानते हैं। उनके पदचिन्हों पर चलना आज के दौर में आसान नहीं है। हम सभी को उनके विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। लाला शम्भू नाथ के दिये संस्कार उनके परिवार में भी प्रदर्शित होता है। मौके पर खादी ग्रामोद्योग के पूर्व अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव, महेन्द्र प्रसाद, अजय वर्मा, राजेश सिन्हा, राजू रंजन सिन्हा, दीपक बलजोरी, व्यापार मंडल के अध्यक्ष मिथिलेश दीपक, परिवार के सदस्यों में ई. ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव, प्रधानाध्यापिका भारती श्रीवास्तव, सोन वर्षा वाणी के संपादक श्रीराम अम्बष्ट, कमल किशोर, सलोनी श्रीवास्तव, संजना किशोर, साकेत कुमार, मृदुला अम्बष्ट, साक्षी अम्बष्ट, संस्कृति किशोर, कौस्तुभ किशोर, श्वेताभ श्रीवास्तव, यशी किशोर समेत कई सेवानिवृत्त शिक्षकगण एवं बुद्धिजीवी उपस्थित रहे।

पति से विवाद के बाद पत्नी ने उठाया खौफनाक कदम

बलिया(उत्तरशक्ति)। बलिया के सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के जलालीपुर गांव में शनिवार की सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में 40 वर्षीय महिला का शव फंदे से लटकता हुआ मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बलिया भेज दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की बात कही है। जलालीपुर गांव स्थित रीना शर्मा (40) पत्नी संतोष अपने बच्चों के साथ कमरे में सोई थी। रोज की तरह वह सुबह उठकर कमरे से बाहर गई। काफी देर बाद भी जब वह दिखाई नहीं दी तो संतोष ने उसे खोजना शुरू कर दिया। जब घर में नहीं मिली तो बगल में घूरा गुप्ता के अहाते की तरफ गया। वहां रीना का शव छड़ में गमछे के सहारे लटका हुआ था। शोर गुल करने के बाद परिजन भी पहुंच गए। शव को नीचे उतारा। थोड़ी ही देर में इसकी सूचना पुलिस को मिल गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बलिया भेज दिया। रीना के दो पुत्री व दो पुत्र हैं। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक सिकंदरपुर विकासचंद्र पांडेय ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। बलिया के दोकटी थाना क्षेत्र के शिवपुर में शुक्रवार रात महिला का शव कमरे फंदे से लटकता मिला। आसपास के लोगों के अनुसार, बीती रात पति से फोन पर कहासुनी के बाद विवाहिता ने फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना पर पुलिस पहुंच शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। खबर लिखे जाने तक किसी प्रकार की तहरीर प्राप्त नहीं मिली थी। शिवपुर पंचायत निवासिनी गीता देवी (24) पत्नी गौतम गोड़ का पति झारखंड में कही काम करता है। बीती देर शाम पति-पत्नी की किसी बात को लेकर फोन पर कहासुनी हुई थी। उसके बाद सास-बहू के बीच भी कहासुनी हुई। ग्रामीणों के अनुसार, शुक्रवार की रात करीब दस बजे गीता ने घर में ही फांसी लगा ली। सूचना पर क्षेत्राधिकारी बैरिया मो. उस्मान, थानाध्यक्ष दोकटी बंशबहादुर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।